

BEST EMERGENCY CARE IN TRAUMA, STROKE & HEAD INJURY

जानकी न्यू लाईफ

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

क्रीड़ा संकुल रोड, मरारटोली, गोंदिया - 441614

EMERGENCY

75 108 57 108

हैड इंजरी, कोमा, सरद, ब्रेन ट्यूमर, रीढ़ की हड्डी के उपचार और सर्जरी, न्यूरोसर्जरी, आर्थोपेडिक्स, न्यूरो हिब, इंटरनल मेडिसिन, नजल सर्जरी, जॉइंट रिप्लेसमेंट, आईसीयू माइब्रुलर ओटी, यूरो सर्जरी, वेस्कुलर सर्जरी..एम.आर.आई, सीटी स्कैन, यूएसजी, एक्स रे, प्रभुति व स्त्री रोग वन..

डॉ. सनी सतीश

जायसवाल न्यूरो सर्जन

डॉ. सौ. पूनम सनी

जायसवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ

स्पोर्ट्स ट्रेनिंग

स्पोर्ट्स ट्रेनिंग

स्पोर्ट्स ट्रेनिंग

स्पोर्ट्स ट्रेनिंग

स्पोर्ट्स ट्रेनिंग

स्पोर्ट्स ट्रेनिंग

स्पोर्ट्स ट्रेनिंग

स्पोर्ट्स ट्रेनिंग

बालाघाट, सिवनी, मंडला, गोंदिया एवं भंडारा जिले में प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 19 सितम्बर 2026

दिन - शनिवार

वर्ष-14 वां

पृष्ठ - 12

अंक - 233

मूल्य - 5 रुपये

7 Years

IN HEALTH, CARE & HEALING

SAHAYOG HOSPITAL

निःशुल्क एंजियोग्राफी एवं एंजियोप्लास्टी शिविर

वैधता 31 अगस्त 2026 तक

अभ्युपन भारत योजना (PMJAY) एवं PMJAY के अंतर्गत निशुल्क एंजियोप्लास्टी की सुविधा उपलब्ध

91 8888 001 426 / 07182 250006 / 07

● बालाघाट

● वारासिवनी

● कटंगी

● बैहट

● लांजी

● परसवाड़ा

● सिवनी

● बरघाट

● छपारा

● केवलारी

● गोंदिया - भंडारा

● आमगांव

● गंगेगांव

● सालेकसा

● देवरी

● तिरौड़ा

सोना, चांदी, हीरे एवं संपूर्ण हॉलमार्क ज्वेलरी के विक्रेता

नूपुर डायमंड ज्वेलरी

विश्वास, सौंदर्य और श्रेष्ठता से अलंकृत

नूपुर ज्वेलर्स

स्टेट बैंक के पास फोन - 07632-240753

मेन रोड, बालाघाट मो. 9977229027

महिला डॉक्टर बनकर युवक ने वजन कम कराने के नाम पर महिला से मांगी तरवीरें, वसूले 5.20 लाख रुपये

बहराइच (भाषा)। उप्रदेश के बहराइच में खुद को महिला डॉक्टर बताकर महिला को स्लिम-फिट रखने का झांसा देकर आपत्तिजनक तस्वीरें हासिल करने तथा उन्हें सार्वजनिक करने की धमकी देकर 5.20 लाख रु. वसूलने के मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान हिमांशु तायल उर्फशमी के रूप में की है। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर एक महिला डॉक्टर के नाम से फर्जी फेसबुक प्रोफाइल बनाई। इसके जरिए उसने पीड़िता से संपर्क कर उसका विश्वास हासिल कर महिला से कहा कि उसका वजन अधिक दिखाई देता है, उसे स्लिम-फिट बनाया जा सकता है। उसने महिला से कम कपड़ों में तस्वीरें भेजने कहा। 'महिला ने तस्वीरें भेजने में झिझक दिखाई तो आरोपी ने उससे कहा, ' 'मैं भी महिला डॉक्टर हूं। डॉक्टर के सामने शर्म कैसी?' ' आरोपी की बातों पर भरोसा कर महिला ने उसे कम कपड़ों में कुछ तस्वीरें भेज दीं। इसके बाद आरोपी ने उन तस्वीरों को प्रसारित करने और महिला के बेटे की हत्या की धमकी दी। उसने अलग-अलग समय पर महिला से कुल 5.20 लाख रु. वसूले। पीड़िता के परिवार ने आरोप लगाया कि आरोपी उससे 10 लाख और मांग रहा था। महिला के पति की ओर से 16 सितंबर को दरगाह शरीफ थाने में शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने 17 सितंबर को आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से दो मोबाइल बरामद किए, जिनमें पीड़िता की तस्वीरें मिलीं। इसके अलावा एक लाख रुपये नकद भी बरामद किए गए। आरोपी की निशानदेही पर उसके घर से 1.50 लाख रुपये और बरामद किए।

आवश्यकता है.. बालाघाट शहर के वाधवानी फटाखा बाजार में मार्केटिंग सेलसमेन, पुरुष एवं महिला 12 कर्मचारी की आवश्यकता है। आकर्षक वेतन एवं सुविधाएं.. संपर्क करें.. 9425639000, 9300039839

वलासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100/- प्रतिदिन.. दैनिक जगप्रेरणा में क्लासिफाईड विज्ञापन सिर्फ 100 /- प्रतिदिन में प्रकाशित किये जाते हैं। कृपया संपर्क करें.. मो. 9329033433

पाकिस्तान की मस्जिद में आत्मघाती हमले में 15 पुलिसकर्मियों समेत 21 लोगों की मौत..

पेशावर, (भाषा)। उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के कोहाट जिले में जुमे की नमाज के दौरान आतंकवादियों ने उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पेशावर से लगभग 60 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में कोहाट में पुरानी पुलिस लाइन के पास स्थित मस्जिद के पास विस्फोटक से लदे वाहन में धमाका किया और पास के पुलिस ठिकानों पर हमला कर दिया, जिसमें कम से कम 21 लोगों (ज्यादातर पुलिसकर्मियों) की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कोहाट अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. तालिह शाह ने बताया कि कुल 21 लोगों की मौत में 15 पुलिसकर्मियों शामिल हैं। घायलों में 73 पुलिसकर्मियों और 30 आम नागरिक हैं। मारे गए लोगों में लियाकत मेमोरियल अस्पताल के मुख्य जिला विशेषज्ञ डॉ. इजराइल खान ओरकजई भी शामिल हैं। हमले की जिम्मेदारी एक कम चर्चित आतंकी संगठन 'इतेहाद-उल-मुजाहिदीन पाकिस्तान' ने ली है। यह संगठन हाफिज गुल बहादुर समूह, हरकत इंकलाब-ए-इस्लामी पाकिस्तान और लश्कर-ए-इस्लाम का गठबंधन है, जिसका गठन अप्रैल 2025 में हुआ था। घटनास्थल से सामने आए वीडियो में मस्जिद के अंदर नमाजियों के शव पड़े दिखाई दिए। पुलिस महानिरीक्षक जुलिफकार हमीद ने बताया कि विस्फोटकों से लदे एक वाहन ने पुरानी पुलिस लाइन के गेट में टक्कर मार दी, जिससे विस्फोट हुआ, और इसके बाद हथियारबंद आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच गोलीबारी हुई। पेशावर स्थित केंद्रीय पुलिस कार्यालय के अनुसार, सात हथियारबंद आतंकवादी पुलिस

लाइन में घुस गए, जहां पुलिस और आतंकवाद रोधी विभाग (सीटीडी) के जवानों के साथ उनकी मुठभेड़ हुई। अधिकारी ने बताया कि अब तक छह आतंकवादी मारे जा चुके हैं, जिनमें आत्मघाती हमलावर और स्राइपर शामिल हैं। खैबर पख्तूनख्वा के 'रेस्क्यू 1122' के प्रवक्ता बिलाल अहमद फैजी ने बताया कि सूचना मिलने के तुरंत बाद बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। पुलिस ने बताया कि कोहाट-हंगू मार्ग को सभी तरह के यातायात के लिए बंद कर दिया गया है और पुलिस लाइन के पास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। बचाव अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट में आसपास की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफअली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफने घटना की निंदा की तथा कहा कि विदेशी समर्थन प्राप्त आतंकवादियों का पूरी तरह खाम्ता राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है।

हाथी के जीवन में एक दौर ऐसा भी आता है जब ‘मद’ में होने पर हाथी अपने महावत को भी भूल जाता है..

सुपखार के जंगल में जगप्रेरणा रिपोर्टर अजय रजक एवं हितेश अजीत ने महावत संतोष मरावी एवं धरमसिंह से जानी हाथी के जीवन की रोचक बातें..

सुपखार रेंज में होती है हाथियों की खास मेहमाननवाजी..

जगप्रेरणा बालाघाट। जैसे ही हाथी का नाम लिया जाता है, हाथी के विशाल आकार को देखकर उसके जीवन की कल्पना करना भी साधारण मनुष्य के लिये मुश्किल होता है। हाथी के पास जाने में लोग डरते हैं, हाथी इतना ताकतवर प्राणी होता है कि जब वह क्रोध में आता है, तो उसकी ताकत से वह क्या कर गुजरेगा, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती, लेकिन वही हाथी एक इंसान के

ईशारे पर उसके साथ चलता फिरता, उठता, बैठता और हरकतें करता भी नजर आता है। महावत के पीछे पीछे चलता हुआ हाथी महावत के ईशारे पर बैठ भी जाता है, और अपने सर पर किसी को बिठाकर ऊंचाई से याता का आनंद भी प्रदान कर देता है। हाथी यूं तो शाकाहारी प्राणी है, परंतु हाथी के आकार और उसकी ताकत से जंगल का राजा शेर भी खौफ खाता है। हाथी को देखकर बच्चों की खुशी का ठिकाना नहीं रहता, जब कभी शहर या गांव में कोई महावत किसी हाथी को लेकर निकल पड़ता है, तो घरों से बाहर आकर बच्चे हाथी को देखकर बहुत खुश होते हैं, वहीं महिलाएं हाथी की भगवान श्री गणेश रूप में पूजा करना अपना सौभाग्य समझती है। विशालकाय हाथी हमेशा बच्चे से लेकर बड़ों तक के लिये रोचक विषय होता है, तथा हर कोई हाथी के संदर्भ में जानना चाहता है, तो हम बता दें कि हाथी के संदर्भ में ऐसी ही अनेक महत्वपूर्ण रोचक एवं रोमांचकारी विषयों को कलमबद्ध किया है, जगप्रेरणा रिपोर्टर हितेश अजीत ने, जिन्होंने संवाददाता अजय रजक के साथ राष्ट्रीय उद्यान कान्हा के जंगल सुपखार में हाथी महोत्सव के दौरान महावत

संतोष मरावी से चर्चा कर अनेक बातें जानी। प्रस्तुत है हाथी के जीवन की ऐसी ही कुछ बातें। गौरतलब है कि घने जंगल में हाथी की हर चाल अपने आप में एक कहानी कहती है। उसकी आंखों, चाल और व्यवहार को समझना महावत के लिए सबसे जरूरी होता है। वर्षों साथ रहने के बाद महावत और हाथी के बीच ऐसा भरोसा बन जाता है कि कई संकेत बिना बोले ही समझ में आने लगते हैं, लेकिन हाथी के स्वभाव का एक ऐसा दौर भी आता है, जब वह अपने सबसे पुराने साथी यानी

महावत को भी पहचानने से इनकार कर सकता है। इसे हाथी का 'मद' में होना कहा जाता है। सुपखार रेंज में हाथियों के साथ काम कर रहे धरमसिंह धुवे वर्ष 2002 से इस जिम्मेदारी से जुड़े हैं। करीब पांच वर्षों से अधिकारियों के निर्देश पर वे हिमालय हाथी को संभाल रहे हैं। धरमसिंह बताते हैं कि इससे पहले हिमालय को संभालने में दूसरे महावत को काफी परेशानी होती थी।

‘मद’ में बदल जाता है हाथी का व्यवहार..

धरमसिंह बताते हैं कि हाथी के 'मद' में आने पर उसके कान के आसपास से एक तरह का द्रव निकलता है और उसका व्यवहार काफी बदल सकता है। ऐसे समय हाथी अपने महावत को भी नहीं पहचान सकता। पहले ऐसे हाथियों को जंजीरों से बांधकर रखने की कोशिश की जाती थी, लेकिन कई बार हाथी जंजीर तक तोड़ देते थे। ऐसे हाथी वाहनों का पीछा भी कर सकते हैं, इसलिए उस समय उससे दूरी बनाए रखना ही सुरक्षित माना जाता है। महावत भी ऐसे समय हाथी के व्यवहार को समझते हुए सावधानी से काम करता है।

जंगल में हाथी वन विभाग का साथी..

हाथियों का काम केवल जंगल की गश्ती तक सीमित नहीं है। घायल या बीमार बाघ की तलाश और उसकी स्थिति का जायजा लेने में भी हाथियों की मदद ली जाती है। किसी क्षेत्र से बाघ के बीमार होने की सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम हाथियों के जरिए जंगल के अंदर तक पहुंचती है और वहां के निशान व परिस्थितियों को देखकर स्थिति समझती है। धरमसिंह बताते हैं कि पहले आधुनिक तकनीक और संसाधन इतने उपलब्ध नहीं थे। उस समय बाघों की तलाश में हाथियों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण हुआ करती थी। अब ऐसी जरूरत कभी-कभार ही पड़ती है।

साल में एक बार होती है हाथियों की ‘मुलाकात’..

हाथियों का साल में एक बार अलग-अलग रेंज में विशेष आयोजन किया जाता है। इसे हाथियों का मिलन या उनकी खास 'पार्टी' भी कहा जा सकता है। इस दौरान अलग-अलग रेंज से आए हाथियों की सेहत की जांच की जाती है। उनका वजन, लंबाई, शरीर का माप तथा दांतों की लंबाई और मोटाई जैसी जानकारी भी दर्ज की जाती है करीब 16 हाथी तीन-चार रेंजों से इस तरह के आयोजन में शामिल होते हैं। कुछ समय साथ बिताने और मिलन के बाद हाथी फिर अपनी-अपनी रेंज में लौट जाते हैं।

गंध से पहचानते हैं अपने साथी..

हाथियों के बीच पहचान में गंध की बड़ी भूमिका होती है। वे गंध के जरिए अपने परिचित साथियों को पहचानते हैं। यही गंध नर और मादा हाथियों के बीच संबंध बनाने में भी भूमिका निभाती है। मिलन के बाद हाथी जंगल में कई किलोमीटर तक निकल जाते हैं। कई बार वे करीब 10 किलोमीटर तक चले जाते हैं और महावत उनकी गतिविधियों पर नजर रखते हुए उनके साथ रहता है।

हाथी को संभालना ताकत नहीं, मरोसे का काम..

महावत संतोष के मुताबिक किसी नए हाथी और महावत के बीच समझ बनने में समय लगता है। एक-दूसरे को समझने में करीब दो-तीन महीने लग सकते हैं। महावत बदलते भी रहते हैं, जरूरी नहीं कि एक ही महावत पूरी जिंदगी उसी हाथी के साथ रहे। हाथी को संभालने में ताकत काम नहीं आती, बल्कि भरोसा और संकेतों की समझ जरूरी होती है। बैठने, उठने, चलने और दिशा बदलने के लिए आवाज के साथ पैरों और शरीर के संकेतों का भी इस्तेमाल किया जाता है। धीरे-धीरे हाथी और महावत एक-दूसरे की भाषा समझने लगते हैं।

खिलाए जाते हैं। हाथियों के लिए करीब नौ किलो आटा, आधा किलो चने का आटा, आधा किलो सोयाबीन, 250 ग्राम नमक और एक किलो गुड़ से भोजन तैयार किया जाता है। इसके अलावा जंगल में मिलने वाला प्राकृतिक भोजन भी वे खाते हैं। इस आयोजन में हाथियों को थोड़ा सजाया-संवारा भी जाता है। वन विभाग के कर्मचारी उनके माथे पर सुंदर चित्र और आकृतियां बनाते हैं। इससे अलावा जंगल के बीच हाथियों का यह मिलन समारोह एक अलग ही रंग में नजर आता है। सुपखार रेंज में दो छोटे हाथी भी हैं, जिनकी उम्र करीब आठ-नौ वर्ष है। इनके साथ-साथ अन्य हाथी भी इस आयोजन में शामिल होते हैं और कुछ समय एक-दूसरे के साथ बिताने के बाद अपनी-अपनी रेंज में लौट जाते हैं।

लंबी उम्र और पीढ़ियों से जुड़ी परंपरा..

हाथी लंबे समय तक जीवित रहने वाले वन्यजीवों में शामिल हैं। संतोष के अनुसार हाथी 70- 80 वर्ष या उससे भी अधिक उम्र तक जीवित रह सकते हैं। उनके साथ साथ काम करने वाले महावतों के लिए यह केवल नौकरी नहीं, बल्कि वर्षों से चली आ रही एक जिम्मेदारी और अनुभव का हिस्सा है। संतोष को स्वयं हाथियों के साथ काम करने हुए दो दशक से अधिक समय हो चुका है। उनका अनुभव बताता है कि हाथी को समझने के लिए केवल उसके आदेश मानना काफी नहीं, बल्कि उसके स्वभाव, संकेत और व्यवहार को लगातार पढ़ना पड़ता है। जंगल में हाथी बोलता नहीं, लेकिन महावत उसकी खामोशी पढ़ता है। वर्षों के साथ बने भरोसे में आवाज से ज्यादा संकेत मायने रखते हैं। यही रीश्ता हाथी और महावत को एक-दूसरे का साथी बनाता है। हालांकि 'मद' का वह दौर भी याद दिलाता है कि जंगल के इस विशाल जीव का अपना स्वभाव और अपनी दुनिया है।

+ CMYK

जग प्रेरणा

live शहर बालाघाट

● गर्ल ● भटेय ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोगलाई

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शान्ति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुंवर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
व्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.

ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर,
शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

मान्यता ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियों सुधारी जाती है।

मनीष वर्मा
मो. 9425448126

वार्ड नं. 17, महारणा प्रताप चौक, शाह कॉम्प्लेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में विभागीय सविलियन संहित

16 सूत्रीय मांगों को लेकर बालाघाट में पंचायत सचिवों ने सौंपा झापन, दी आंदोलन की चेतावनी..

जगप्रेरणा बालाघाट।
मध्यप्रदेश पंचायत सचिव संगठन द्वारा शुक्रवार 18 सितम्बर को रैली धरना प्रदर्शन करते हुए लंबित मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालाघाट को झापन सौंपा गया। संगठन ने समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर जल्द आवश्यक निर्णय लेने की मांग

की है। संगठन ने झापन में कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं और ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों के क्रियान्वयन में सीमित संसाधनों के बीच लगातार बढ़ते कार्यभार के बावजूद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसके बावजूद लंबे समय से उनकी कई मांगें लंबित हैं। पंचायत सचिवों ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में विभागीय सविलियन की मांग प्रमुखता से रखी। संगठन के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र चित्तिव एवं सचिव के.के. रमगिर ने कहा कि सविलियन होने से पंचायत सचिवों की सेवा सुरक्षा, भविष्य की स्पष्टता और निर्धारित सेवा शर्तों का लाभ मिल सकेगा।

इसके अलावा पंचायत सचिवों ने स्वामित्व योजना एवं राजस्व प्रकृति के कार्यों से मुक्त करने की मांग की। संगठन ने कहा कि अधिकार अभिलेख, पंजीयन, ई-केवाईसी तथा भूमि एवं संपत्ति से जुड़े व्यक्तिगत कार्यों सहित राजस्व विभाग की प्रकृति वाले कार्य संबंधित विभाग के अमले से कराए जाएं। झापन में 3 अगस्त 2023 को भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में आयोजित पंचायत सचिव सम्मेलन सहित शासन द्वारा पंचायत सचिवों के संबंध में पूर्व में की गई घोषणाओं को लागू करने और उनके लंबित शासनादेश तत्काल जारी करने की मांग की गई। संगठन ने समयमान वेतनमान का लाभ देने तथा वर्षों से



लंबित वेतन विसंगति का निराकरण करने की मांग भी रखी। साथ ही पंचायत समन्वय अधिकारी के पद पर 50 प्रतिशत विभागीय पदोन्नति कोटा प्रभावी रूप से लागू करने की मांग की गई है।

इसी प्रकार पंचायत सचिवों को नियमानुसार 300 दिवस के अर्जित अवकाश के नकदीकरण की सुविधा देने तथा पंचायत सचिव एवं उनके परिवार को कैशलेस स्वास्थ्य बीमा अथवा आयुष्मान योजना में शामिल करने की मांग की गई। संगठन ने प्रत्येक पंचायत सचिव का आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की भी मांग रखी। मनरेगा कार्यों में अपूर्ण अथवा प्रगतिरत कार्यों को लेकर वास्तविक भौतिक प्रगति, गुणवत्ता एवं स्थल सत्यापन किए बिना पंचायत सचिवों और ग्राम रोजगार सहायकों से वसूली नहीं करने की मांग की गई। पूर्व में की गई वसूली की भी नियमानुसार समीक्षा करने की बात कही गई। संगठन ने पात्र पंचायत सचिवों के सेवाकाल की गणना नियुक्ति दिनांक से करने और प्रचलित नियमों एवं लागू न्यायालयीन निर्णयों के अनुरूप पुरानी पेंशन योजना का लाभ

प्रदान करने के लिए आवश्यक आदेश जारी करने की मांग की।

अनुकंपा नियुक्ति के लंबित मामलों के निराकरण की मांग..

झापन में सेवाकाल के दौरान दिवंगत पंचायत सचिवों के पात्र ओबीसी वर्ग के अनुकंपा आश्रितों के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर नियमानुसार नियुक्ति देने की मांग की गई। वहीं अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त पात्र आश्रितों को सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए नियुक्ति दिनांक से दो वर्ष की अवधि देने और नियुक्ति के समय सीपीसीटी की अनिवार्यता में आवश्यक छूट देने की मांग भी रखी गई। इसके साथ ही सेवानिवृत्त पंचायत सचिवों के लंबित ग्रेच्युटी एवं एनपीएस संबंधी प्रकरणों का तत्काल निराकरण कर सभी देय राशि का शीघ्र भुगतान करने की मांग की गई। सेवानिवृत्ति के समय वर्तमान में मिलने वाली राशि को बढ़ाकर न्यूनतम 10 लाख रुपये किए जाने की मांग भी संगठन ने रखी।

अतिरिक्त कार्यों से मुक्त करने की मांग

संगठन ने पंचायत सचिवों से उनके मूल पंचायत दायित्वों के अलावा ऐसे अतिरिक्त एवं गैर-पंचायत कार्य नहीं कराने की मांग की, जिनके लिए संबंधित विभागों का पृथक अमला उपलब्ध है। प्रत्येक कार्य के लिए स्पष्ट उत्तरदायित्व तय करने की बात कही गई। झापन में पंचायत सचिवों के कार्यभार और दीर्घ सेवा को देखते हुए सम्मानजनक वेतन, सेवा सुरक्षा एवं कर्मचारी हितैषी सेवा शर्तें सुनिश्चित करने की मांग की गई। साथ ही वेतन, पदोन्नति, सेवा अवधि, अवकाश, स्थानांतरण, पेंशन, अनुकंपा नियुक्ति सहित अन्य सेवा संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए शासन स्तर पर स्थायी एवं समयबद्ध शिकायत निवारण व्यवस्था बनाए जाने की मांग भी शामिल है।

मांगें पूरी नहीं हुई तो चरणबद्ध आंदोलन

पंचायत सचिव संगठन ने झापन के माध्यम से शासन को स्पष्ट किया कि उनकी मांगें किसी विशेष सुविधा से संबंधित नहीं हैं, बल्कि सेवा सुरक्षा, सम्मानजनक सेवा शर्तों और लंबे समय से लंबित अधिकारों के न्यायोचित निराकरण से जुड़ी हैं। संगठन ने मांगों पर शीघ्र उच्चस्तरीय निर्णय लेकर आवश्यक शासनादेश जारी करने का आग्रह किया है। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि मांगों का शीघ्र एवं सकारात्मक निराकरण नहीं किया गया तो पंचायत सचिव लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर संगठन द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल एवं व्यापक आंदोलन का निर्णय लिए जाने की बात भी कही गई है। संगठन ने शासन से अपील की है कि पंचायत सचिवों की भावनाओं और लंबित समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए आंदोलन की स्थिति उत्पन्न होने से पहले ही मांगों का निराकरण किया जाए।

मुख्यमंत्री रंग इंटर्नर्स प्रोग्राम के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित..

जगप्रेरणा बालाघाट।

युवाओं में जीवन कौशल और तकनीकी क्षमताओं के विकास के उद्देश्य से मुख्यमंत्री रंग इंटर्नर्स फॉर गुड गवर्नेंस प्रोग्राम संचालित किया जा रहा है। अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान के माध्यम से संचालित इस कार्यक्रम के लिए पात्र युवाओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

कार्यक्रम के तहत प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड से 15 इंटरनर्स का चयन किया जाना है। चयनित युवाओं को एक वर्ष की इंटरनशिप का अवसर मिलेगा। इंटरनर्स को शासन की योजनाओं एवं विकास गतिविधियों को समझने तथा जमीनी स्तर पर उनके क्रियान्वयन का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। उपलब्ध भर्ती विवरण के अनुसार प्रदेश के 313 विकासखंडों में 15-15 इंटरनर्स के आधार पर कुल 4,695 इंटरनर्स का चयन प्रस्तावित है। चयनित इंटरनर्स को प्रतिमाह 10 हजार रुपए स्ट्राइपेंड दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त 1,000 रुपए यात्रा व्यय तथा 200 रुपए इंटरनेट/डेटा व्यय के रूप में दिए जाने का प्रावधान है। इस तरह निर्धारित राशि के अनुसार स्ट्राइपेंड एवं दोनों व्ययों को मिलाकर प्रतिमाह

एक वर्ष की इंटरनशिप, युवाओं को मिलेगा प्रशासनिक कार्यों का व्यावहारिक अनुभव; प्रतिमाह 10 हजार रुपए स्ट्राइपेंड..

11,200 रुपए तक राशि प्राप्त होगी। आवेदक की न्यूनतम आयु 18 से 29 वर्ष निर्धारित है। आवेदक मध्यप्रदेश का स्थानीय निवासी एवं जिस जिले के लिए आवेदन किया जा रहा है, उसी जिले का मूल निवासी होना भी आवश्यक है। आवेदक ने भारत में विधि द्वारा स्थापित मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय

या संस्थान से शैक्षणिक सत्र 2022-23, 2023-24 अथवा 2024-25 में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक या स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की हो। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों को ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करना होगा। आवेदन के लिए एमपी ई-सेवा पोर्टल पर उपलब्ध मुख्यमंत्री रंग इंटरनर्स फॉर गुड गवर्नेंस प्रोग्राम की सेवा के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। आवेदन प्रक्रिया में अभ्यर्थियों को अपनी व्यक्तिगत, शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक जानकारी दर्ज कर संबंधित दस्तावेज अपलोड करने होंगे। अन्य किसी माध्यम से भेजे गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पहले कार्यक्रम की नवीनतम आधिकारिक सूचना में दी गई पात्रता, आवश्यक दस्तावेज एवं अंतिम तिथि की जानकारी अवश्य देख लेने की सलाह दी गई है।

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष सिद्धांत पाटिल ने की मण्डल अध्यक्षों की नियुक्ति..

संगठन बनेगा और अधिक सशक्त एवं गतिशील: रामकिशोर कांवरे



जगप्रेरणा बालाघाट।

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल की अनुमति, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार, भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं संभाग प्रभारी डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी, भाजपा जिला प्रभारी इंजी अभिलाष मिश्रा की सहमती और भाजपा जिलाध्यक्ष, पूर्व मंत्री रामकिशोर 'नानो' कावरे की अनुशंसा से भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष सिद्धांत पाटिल ने भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष नियुक्त किए हैं।

इनमें बालाघाट विधानसभा- बालाघाट नगर दिनेश वासनिक, लालबारी राजू सोनवाने, खमरिया महेन्द्र आम्बाडे, मोहागांव विनोद पटले, भरवेली अनिल बोरीवर, परसवाड़ा गणेश वाडो। परसवाड़ा विधानसभा- बालाघाट ग्रामीण ईश्वर जगने, हड्डा चितरंजन घरेडे, रजेगांव महेश गेड़ाम, लामटा डॉ. सुनील वैद्य, समनापुर नितेन्द्र मालाधारी। लांजी विधानसभा- लांजी विजय गोस्वामी, बिस्नोनी इनोद भालाधरे, कारंजा मनीष चौहान, भानेगांव सरोज बोकर, भाडरा शिव कुमार खरोले, किरनापुर विवेक वासनिक, माटे विजेन्द्र रायगड़े। बैहर विधानसभा- बैहर महेश धारकर, उकवा शिवराम झारिया, गढ़ी विजेन्द्र देशराज, मलाजखंड देवेन्द्र बलिये, बिरसा गंगाराम वाहने, मंडई दिलीप कुरें। वारासिवनी

मेश्राम, महकेश्वर मनोज मालाधारी शामिल हैं। शेष मंडलों के मंडल अध्यक्ष शीघ्र ही नियुक्त किए जाएंगे।

बोले रामकिशोर कावरे..

नियुक्तियों पर खुशी जताते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे ने कहा, भाजपा संगठन में कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही सर्वोपरि है। नवनियुक्त मण्डल अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों में पार्टी की नीतियों और राज्य व केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के नव नियुक्त मंडल अध्यक्ष संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त एवं गतिशील बनाएंगे।

बोले सिद्धांत पाटिल

भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष सिद्धांत पाटिल ने कहा, प्रदेश एवं जिला नेतृत्व के मार्गदर्शन में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के मण्डल अध्यक्षों की नियुक्ति की गई है। हमारी प्राथमिकता समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाना और संगठन की रीति-नीति को आगे बढ़ाना है। सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ क्षेत्र में मोर्चा के कार्यों को गति देंगे।

बालाघाट में 08 दिवसीय पयुषण पर्व का हुआ विधिवत समापन, नगर में निकला भव्य वरघोड़ा..

जगप्रेरणा बालाघाट।
जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ द्वारा आयोजित आठ दिवसीय पयुषण पर्व का बुधवार को साध्य समापन हुआ। समापन अवसर पर नगर में भव्य वरघोड़ा निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में जैन समाज के महिला-पुरुष और युवा शामिल हुए।



पहुंचा। यहां आठ दिवसीय तपस्या करने वाले तपस्वियों का समाजजनों द्वारा अभिनंदन एवं सम्मान किया गया।

इस दौरान तपस्वियों की तपस्या, त्याग और धार्मिक समर्पण की सराहना की गई। आठ दिवसीय तपस्या करने वाले तपस्वियों में राकेश सिंघी, दीपक बोथरा, वीरेंद्र चौधरी, अभिषेक चतुर्वेदी, नितिन कोचर, दीपक गागा धामड़, डॉ. ज्योति सुराना, रंजन कोचर और मनीष लांबा सहित अन्य समाजजन शामिल रहे। जैनदादा बाड़ी में तपस्वियों के अभिनंदन के साथ आठ दिवसीय पयुषण पर्व के आयोजन का विधिवत समापन हुआ। वरघोड़े के दौरान पूरे मार्ग में धार्मिक उत्साह का माहौल रहा। बड़ी संख्या में समाजजनों की सहभागिता

लगभग 35 समाजजनों ने एक समय भोजन कर उपवास किया। पर्व के समापन अवसर पर पार्श्वनाथ भवन से भव्य वरघोड़ा प्रारंभ हुआ, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जैनदादा बाड़ी

से आयोजन भव्य नजर आया। समाजजनों ने पयुषण पर्व के दौरान धर्म, तप और आत्मसंयम के संदेश को आत्मसात करते हुए पर्व का समापन किया।

धार्मिक वातावरण के बीच निकले वरघोड़े में समाजजनों का उत्साह देखते ही बना। पार्श्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी अजय लुनिया ने बताया कि 8 सितंबर से प्रारंभ हुए पयुषण पर्व के दौरान विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ समाजजनों ने तपस्या में भी बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। पर्व के दौरान करीब 11 श्रद्धालुओं ने लगातार आठ दिनों तक उपवास रखकर कठिन तपस्या की, जबकि

मोटर साइकिल की आमने सामने मिडैट मे 7 घायल, तीन की हालत गंभीर..

जगप्रेरणा बालाघाट। बालाघाट जिले के लामता थाना क्षेत्र में गुरुवार 17 सितम्बरको दोपहर दूटी गांव के समीप दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हदसे में तीन युवतियों सहित सात लोग घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार 17 सितंबर को ग्राम सिलगी निवासी साहिल सोनवाने अपनी बहनों गौरी सोनवाने और साधना सोनवाने तथा उनकी सहेली दीक्षा परवार के साथ मोटरसाइकिल से परसवाड़ा की ओर से दूटी बांध घुमने निकले थे। इसी दौरान दूसरी ओर से विकास मर्सकोले, दो साथियों के साथ ग्राम बटुआ की ओर वापस लौट रहे थे। बताया गया कि करीब शाम 4 बजे दूटी गांव के पास सड़क की गोलाई में दोनों मोटरसाइकिलें आमने-सामने आ गईं और जोरदार टक्कर हो गई। अचानक हुई भिड़ंत में दोनों वाहनों पर सवार कुल सात लोग घायल हो गए। हदसे के बाद मौके पर अपना-तपसी मच गई। आसपास के लोगों ने घायलों को तत्काल लामता अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया। लामता अस्पताल में उपचार के बाद दीक्षा परवार, गौरी सोनवाने, साधना सोनवाने, साहिल सोनवाने और विकास मर्सकोले की हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। वहीं दो अन्य घायलों का उपचार लामता अस्पताल में जारी है। जिला अस्पताल में भर्ती घायलों में दीक्षा पिता संतोष परवार (17), निवासी कुमनगांव थाना परसवाड़ा; साहिल पिता चंद्रदास सोनवाने (18), गौरी पिता चंद्रदास सोनवाने (21) और साधना पिता चंद्रदास सोनवाने (20), तीनों निवासी ग्राम सिलगी थाना परसवाड़ा; तथा विकास पिता बिहारीलाल मर्सकोले (22), निवासी ग्राम बटुआ थाना चांगोटोला शामिल हैं। बताया गया है कि हदसे में साहिल सोनवाने, उसकी बहन साधना सोनवाने और विकास मर्सकोले की हालत गंभीर है। जिला अस्पताल में सभी रेफर घायलों का उपचार चिकित्सकों की निगरानी में चल रहा है। घटना की सूचना मिलने पर लामता पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।



खेल मनोरंजन

खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..



शंकर शाह-रघुनाथ शाह का 169 वां बलिदान दिवस मनाया परसवाड़ा के उकवा, डोंगरिया व बैहर सहित कई स्थानों पर हुए आयोजन, महापुरुषों को जाति - वर्ग में बांटने की मानसिकता छोड़ने का आह्वान

जगप्रेरणा परसवाड़ा।
गोंडवाना साम्राज्य के महानायक राजा शंकर शाह और उनके पुत्र कुंवर रघुनाथ शाह का 169वां बलिदान दिवस शुक्रवार को बैहर और परसवाड़ा क्षेत्र के उकवा, डोंगरिया सहित जिले के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया।

कार्यक्रमों में आदिवासी समाज के लोगों के साथ सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान दोनों वीर बलिदानियों की प्रतिमाओं पर सामाजिक रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना कर माल्यार्पण किया गया और श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वीर बलिदानियों का इतिहास और उनके त्याग की गाथा नई पीढ़ी तक पहुंचाना समाज की जिम्मेदारी है। आयोजनों के माध्यम से गोंडवाना की ऐतिहासिक विरासत, संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी समाज के योगदान को स्मरण किया गया।

बलिदान दिवस पूरे जिले में श्रद्धा से मनाया गया : समलसिंह धुर्वे

जनपद अध्यक्ष समलसिंह धुर्वे ने कहा कि पूरे जिले में राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ



शाह का बलिदान दिवस उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। कार्यक्रमों में सामाजिक संगठनों, कार्यकर्ताओं और विभिन्न विचारधाराओं से जुड़े लोगों को आमंत्रित कर उनके विचारों और सामाजिक परंपराओं पर चर्चा की जा रही

है। उन्होंने कहा कि 18 सितंबर 1857 को दोनों वीरों ने देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने जाति या धर्म के लिए नहीं, बल्कि देश के लिए प्राण न्योछावर किए। उनका बलिदान आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

महापुरुष किसी एक जाति के नहीं होते : कटरे

समाजसेवी रामेश्वर कटरे ने कहा कि कोई भी महापुरुष किसी जाति विशेष के नहीं होते, बल्कि सभी के होते हैं। हमें इस मानसिकता से बाहर निकलकर महापुरुषों के आयोजनों को मिलजुलकर सफल बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक और सामाजिक स्वार्थ के कारण महापुरुषों को जाति और वर्ग में बांटने की प्रवृत्ति के खिलाफ युवा पीढ़ी को आगे आना होगा।

उन्होंने कहा कि समाज में कई भ्रांतियां, कुरीतियां और आपसी मतभेद हैं। इन्हें समाप्त करने की जिम्मेदारी हम सभी की है। समाज को एकजुट होकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम सब एक थे, एक हैं और एक रहेंगे—इस भावना को मजबूत करने के लिए सभी को प्रयास करना चाहिए।

कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष समलसिंह धुर्वे, समाजसेवी रामेश्वर कटरे, जिला पंचायत सदस्य तामेश्वर पटेल, जनपद उपाध्यक्ष कांति राहंगडाले, पितम बोपचे, अशोक कटरे सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और आदिवासी समुदाय के ग्रामीण मौजूद रहे।

कल गायत्री शक्ति पीठ में अखंड जप एवं दीप यज्ञ का आयोजन..

माता भगवती देवी शर्मा का अवतरण दिवस पर होगा पुण्य स्मरण

जगप्रेरणा लांजी।
गायत्री परिवार के लिए 20 सितंबर का दिन अत्यंत पवित्र एवं विशेष महत्व का माना जाता है। इसी दिन गायत्री परिवार की परम वंदनीय माता भगवती देवी शर्मा जी का अवतरण दिवस मनाया जाता है।

इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ लांजी में रविवार, 20 सितंबर को विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। गायत्री शक्तिपीठ लांजी में दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक अखंड जप एवं दीप यज्ञ का आयोजन होगा। कार्यक्रम में गायत्री परिवार के परिजन, साधक एवं श्रद्धालु सामूहिक रूप से मंत्रजप और दीप यज्ञ में सहभागिता करेंगे।

आयोजन समिति ने बताया कि माता भगवती देवी शर्मा जी ने अपने जीवन के माध्यम से सेवा, साधना,



संवेदना और संस्कारों की प्रेरणा समाज को दी। उनका अवतरण दिवस गायत्री परिवार के लिए श्रद्धा, आत्मचिंतन और नवचेतना का अवसर है। इस दिन श्रद्धालु सामूहिक साधना के माध्यम से माताजी के प्रति अपनी श्रद्धा अर्पित करेंगे। गायत्री परिवार लांजी की ओर से सभी भाइयों, बहनों एवं परिजनों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है। आयोजन समिति ने कहा कि सभी परिजन अपना अमूल्य समय निकालकर गायत्री शक्तिपीठ लांजी अवश्य पहुंचें और सामूहिक जप एवं दीप यज्ञ में सहभागी बनकर आध्यात्मिक वातावरण का लाभ लें।

गणेश उत्सव की धुम: पाण्डेवाड़ा में श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जा रहा गणेशोत्सव..

जगप्रेरणा खमरिया।
लालबर्बा जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत पांडेवाड़ा में सम्पूर्ण वर्ष हमारे कार्यों को निर्वहन संपन्न कराने वाले प्रथम पुजनीय भगवान श्री गणेश गजानन का 14 सितम्बर को आगमन हुआ।

देवी देवताओं में प्रथम पुज्य भगवान श्रीगणेश के 10 दिवसीय उत्सव का प्रारंभ सोमवार को होने के साथ ही भक्ति भाव से श्रद्धालुओं ने डोल-नगाड़ों एवं जयकारों के साथ भगवान की मनोहारी प्रतिमाएं मंडाओं एवं घरों में विराजित की। तथा 10 दिनों तक भगवान श्री गणेश की पुजा, अर्चना, आराधना एवं उपासना की जा रही है।

क्षेत्र में 10 दिनों तक मनाये जाने वाले गणेशोत्सव पर्व को लेकर घरों में भारत का माहौल है। इस वर्ष सार्वजनिक स्थलों और



घरों में गणेश स्थापना को लेकर खासी रौनक देखी जा रही है। क्षेत्र में गणेश उत्सव धूम है। 10 दिनों तक चलने वाले गणेश पर्व को लेकर सार्वजनिक गणेश उत्सव समीति ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। क्षेत्र में प्रमुख चौक चौराहों में गणेश प्रतिमा, घरों में विराजमान की गई। भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना सुबह शाम की जा रही है।

‘क्रिकेट की दुनिया में 15 दिन काफी लंबा समय’, अगारकर के भविष्य पर बोले बीसीसीआई सचिव सैकिया

मुंबई, (भाषा)।
भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने शुक्रवार को चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगारकर के भविष्य को लेकर कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया लेकिन कहा कि ‘क्रिकेट की दुनिया में 15 दिन काफी लंबा समय होता है।’ अगारकर ने बुधवार को नयी दिल्ली में मौजूदा कार्यकाल की आखिरी चयन बैठक में हिस्सा लिया था। उनका कार्यकाल चार अक्टूबर को समाप्त हो रहा है।

सैकिया ने बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद बोर्ड मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, ‘‘हमारे पास अभी 15 दिन बाकी हैं। क्रिकेट की दुनिया में 15 दिन

काफी लंबा समय होता है। हम उचित समय पर फैसला करेंगे और आपको इसकी जानकारी देंगे। आज किसी व्यक्ति विशेष को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई।’’

वनडे विश्व कप (2027) को ध्यान में रखते हुए फिनेस और कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर अगारकर और बीसीसीआई के बीच मतभेद की खबरें सामने आती रही हैं। इंग्लैंड दौरे की समीक्षा बैठक में अगारकर की गैरमौजूदगी के बाद इन अटकलों को और बल मिला था।

न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत-ए और सीनियर टीम की शृंखला करीब एक महीने बाद शुरू होने वाली है। ऐसे में बीसीसीआई को चयन समिति के अध्यक्ष को लेकर फैसला करना होगा।

कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना है कि निरंतरता बनाए रखने और पिछले तीन वर्षों में टीम के सीमित ओवरों के प्रदर्शन को देखते हुए अगारकर को पद पर बने रहने का मौका दिया जाना चाहिए।

एक वर्ग हालांकि अगारकर को बदलने के पक्ष में भी है। लेकिन फ्लिहाल बीसीसीआई को ऐसा कोई नाम नहीं मिला है जो विश्व कप वर्ष में चयन समिति के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल सके। इस दौरान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर भी महत्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं।

बीसीसीआई सचिव सैकिया ने रांची में होने वाले बॉर्डर-गायस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) टेस्ट का आयोजन स्थल बदलने जाने की खबरों को भी खारिज किया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह टेस्ट 19 से 23 फरवरी तक खेला जाना है। मीडिया में ऐसी खबरें आई थीं कि भारतीय टीम प्रबंधन रांची में यह मुकाबला नहीं खेलना चाहता।

सैकिया ने कहा, ‘‘अभी छह महीने बाकी हैं। हम कुछ दिनों बाद इस पर फैसला करेंगे। रांची टेस्ट का आयोजन स्थल बदलने को लेकर हमें फ्लिहाल ऐसा कोई अनुरोध नहीं मिला है।’’

सैकिया ने बताया कि क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) संपादित उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेने के बाद जल्द ही नयी जूनियर चयन समिति का गठन करेंगी।

उन्होंने कहा, ‘‘जूनियर चयन समिति के लिए हमें बड़ी संख्या में आवेदन मिले हैं। इन्हें हम अपनी क्रिकेट समिति की सौंपेंगे, जो चयनकर्ताओं का चयन करने के लिए सक्षम है।

हम अगले 10-15 दिनों में इस प्रक्रिया को पूरा करने की कोशिश करेंगे।’’

सैकिया ने बताया कि असम के पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी सुहृदीप घोष को टी. दिलीप के जाने के बाद भारतीय टीम का क्षेत्ररक्षण कोच नियुक्त किया गया है, लेकिन फ्लिहाल यह अल्पकालिक नियुक्ति है।

उनके प्रदर्शन का बाद में आकलन किया जाएगा। उन्होंने कहा, ‘‘भारतीय पुरुष टीम के क्षेत्ररक्षण कोच सुहृदीप घोष को फ्लिहाल अल्प अवधि के लिए नियुक्त किया गया है, लेकिन हम लंबे कार्यकाल के लिए उनके प्रदर्शन का आकलन करेंगे।’’

माना जा रहा है कि घोष के प्रदर्शन का आकलन न्यूजीलैंड दौरे के बाद किया जाएगा। उनका प्रदर्शन अगर संतोषजनक रहा तो उन्हें दक्षिण अफ्रीका में होने वाले वनडे विश्व कप के अंत तक पद पर बनाए रखा जा सकता है।

खेल मंत्रालय ने एशियाई खेलों में आवास संकट से निपटने में मदद के लिए प्रवासी भारतीयों से संपर्क किया..

नागोया, (भाषा)।
एशियाई खेलों में आवास संकट से चिंतित खेल मंत्रालय ने यहां रहने वाले प्रवासी भारतीय लोगों से अपील की है कि अगर शनिवार से शुरू होने वाले महाद्विपीय खेलों के दौरान कमरों की कमी का समाधान नहीं होता है तो वे खिलाड़ियों के ‘‘आवास प्रदान करने में मदद करें।’’

भारत सहित कई अन्य देशों के खिलाड़ियों ने अपने आवास की व्यवस्था में देरी की शिकायत की है। लागत कम करने के लिए इस बार खेल गांव जैसी व्यवस्था नहीं है तथा खिलाड़ियों को कटेनर की तरह की झोपड़ियों, पानी के एक जहाज और होटलों में ठहराया जा रहा है।

भारत के मिशन प्रमुख सहदेव यादव ने शुक्रवार को खुलासा किया कि आयोजकों द्वारा निर्धारित आवास न मिलने के कारण लगभग 35 भारतीय खिलाड़ियों को होटलों में स्थानांतरित करना पड़ा। प्रतियोगिता कार्यक्रम के अनुसार और भी खिलाड़ियों के आने की उम्मीद है, जिससे स्थिति और भी बिगड़ सकती है।

खेल मंत्रालय के एक अधिकारी ने यहां बताया, ‘‘खेल मंत्रालय ने प्रवासी भारतीयों से संपर्क किया है और उनसे एशियाई खेलों के दौरान कमरों की कमी होने पर खिलाड़ियों के आवास की व्यवस्था में मदद करने के लिए तैयार रहने को कहा है।’’ खेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया कि नागोया में लगभग 2000 परिवारों से संपर्क करने में भारतीय दूतावास ने बड़ी भूमिका निभाई

है और आवास की कमी होने पर उनमें से कई परिवार आगे आए हैं।

अधिकारी ने कहा, ‘‘पहली प्राथमिकता खिलाड़ियों को अच्छे होटलों में ठहराना होगी, लेकिन अगर फिर भी और कमरों की जरूरत पड़ती है तो प्रवासी भारतीय समुदाय की मदद ली जा सकती है।’’

खेल मंत्री मनसुख मांडविया भी यहां पहुंच चुके हैं और शुक्रवार को ध्वजारोहण समारोह में थोड़ी देर के लिए उपस्थित रहे, जो एशियाई ओलंपिक परिषद और स्थानीय आयोजन समिति के बीच ‘‘गलतफहमी’’ के कारण एक घंटे से अधिक देरी से शुरू हुआ था।

मंत्रालय को भरोसा है कि प्रवासी भारतीयों के सहयोग से स्थिति को संभाला जा सकता है। आवास मिलने में देरी के बाद बैडमिंटन खिलाड़ियों को होटलों में स्थानांतरित कर दिया गया है और वे फ्लिहाल वहीं ठहरेंगे।

अधिकारी ने कहा, ‘‘प्रवासी भारतीय समुदाय बहुत सहयोगी रहा है और वे हर संभव तरीके से मदद कर रहे हैं, जिसमें हवाई अड्डे पर खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करना भी शामिल है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘इसके अलावा शेफर्ड मिशन के दो सदस्य हवाई अड्डे पर खिलाड़ियों का स्वागत करने के लिए हमेशा मौजूद रहेंगे। खिलाड़ियों को हवाई अड्डे पर भारतीय जर्सी पहने अधिकारियों को देखकर सहज महसूस होगा।’’ अधिकारी ने कहा, ‘‘मंत्रालय भारतीय खिलाड़ियों के साथ में ऐसी स्थिति पैदा नहीं होने देना चाहता जैसा कि अन्य देशों के खिलाड़ियों के साथ हो रहा है, जिन्हें आवास के लिए नौ से दस घंटे तक इंतजार करना पड़ रहा है। इसलिए मंत्रालय ये सभी कदम उठा रहा है ताकि भारतीय खिलाड़ियों को दूसरों की तरह परेशानी नहीं उठानी पड़े।’’

DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist

DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ

FACILITIES AVAILABLE

SONOGRAPHY

- Color Doppler
- B-flow Imaging
- Transrectal & TV Sonography
- Pediatric Sonography
- Breast, Thyroid, Scrotal Sonography
- Neonatalogist Neurosonogram
- 2 D Echo Cardiography
- Whole Body Ct Scan

X-RAY

- Power Doppler Imaging
- Tissue Harmonic Imaging
- Orbital Sonography
- Foetal Echo
- Digital X-ray Digital Radiography System
- M.R.I.

DIGITAL X-RAY

- 2D, 3D/4D High Resolution Sonography
- 2D Echo
- Colour Doppler
- Siemens Germany Multislice/Spiral High Resolution CT Scan

राष्ट्रीय क्षयरोग दुरीकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कैन

तुरकुर क्लिनिक
सिद्धि लाल, मोदिया
फोन - 07182- 231149, 234198, 236391
E-mail : sonovue@gmail.com

SONOGRAPHY, X-RAY, C.T. SCAN



दैनिक जग प्रेरणा
में साहित्य लेख
रचनाएं प्रकाशन के
लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

लेख, लघु कथा,
कविताएं एवं साहित्य
सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

अमेरिका की संसद से निकली 100 प्रतिशत टैरिफमिसाइल! –मूडीज़ ने बढ़ाया भारत का जीडीपी अनुमान 7 प्रतिशत, लेकिन तेल ने बजाई खतरे की घंटी! –भारत की अर्थव्यवस्था का अग्निपरीक्षा काल? –समग्र व्यापक विश्लेषण..

वैश्विक स्तरपर मध्य -पूर्व में जारी संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका की संभावित 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ की तलवार, इन तीनों घटनाक्रमों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के सामने एक साथ कई नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं।भारत के लिए यह परिस्थिति इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों के एक बड़े हिस्से के लिए आयातित कच्चे तेल पर निर्भर है।

एक ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होने से आयात बिल, परिवहन लागत और महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है,वहीं दूसरी ओर अमेरिका की संसद से पारित लिंडसे ओ.ग्राहम सैंकशनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 ने रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले देशों के लिए नई अनिश्चितता पैदा कर दी है अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने 16 सितंबर को यह विधेयक 262-159 मतां से पारित किया, जबकि सीनेट इसे अगस्त में 86/11 से पहले ही पारित कर चुकी थी। अब विधेयक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर की प्रक्रिया में है।यानी गैर ट्रंप के पहले में चली गई है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह बताना चाहूंगा कि यहाँ अमेरिकी व्यवस्था को समझना भी जरूरी है।

भारत की संसद में जिस प्रकार लोकसभा और राज्यसभा मिलकर कानून बनाने की प्रक्रिया पूरी करती है,उसी प्रकार अमेरिका में हाउस ऑफ़रिप्रेजेंटेटिव्स यानें प्रतिनिधि सभा और सेनेट यानें सीनेट काँग्रेस के दो सदन हैं।किसी विधेयक को कानून बनने के लिए दोनों सदनों से पारित होना और फिर राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलना आवश्यक होता है।इसलिए फ्लिहाल इसे

भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लागू हो चुका मानना सही नहीं होगा।मौजूदा स्थिति यह है कि दोनों सदनों से विधेयक पारित हो चुका है और राष्ट्रपति के पास पहुंच गया है।

कानून बनने के बाद भी 100प्रतिशत टैरिफ भारत पर अपने आप नहीं लग जाएगा; राष्ट्रपति को उपलब्ध वैधानिक अधिकारों और संबंधित परिस्थितियों के आधार पर कार्यवाई करनी होगी।रिपोर्टों के अनुसार कानून में रूस से ऊर्जा खरीदने वाले प्रमुख देशों पर सटीक 100 प्रतिशत तक टैरिफलगाने की शक्ति का प्रावधान है, जबकि कुछ परिस्थितियों में रूस की ऊर्जा परनिर्भरता घटाने की दिशा में कदम उठाने वाले देशों के लिए अपवादों की गुंजाइश भी बताई गई है।विदेश मंत्रालय ने 17 सितंबर 2026 को स्पष्ट किया कि भारत अपनी 140 करोड़ से अधिक आबादी की ऊर्जा सुरक्षा के लिए विविध स्रोतों और बदलती बाजार परिस्थितियों के आधार पर निर्णय लेता रहेगा।मंत्रालय ने यह भी कहा कि इस विषय पर अमेरिका के साथ उच्चस्तरीय चर्चा हुई है और भारत अपने व्यापारिक तथा आर्थिक हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

साथियों,भारत के लिए असली चुनौती यहीं से शुरू होती है। रूस से कच्चा तेल खरीदने का आर्थिक तर्क यह रहा है कि उपलब्ध परिस्थितियों में रूसी कच्चा भारतीय रिफ़ाइनरियों के लिए प्रतिस्पर्धी कीमत और आपूर्ति विविधीकरण का महत्वपूर्ण स्रोत बना है। यदि अमेरिकी दबाव के कारण भारतीय कंपनियों को रूसी तेल की खरीद घटानी पड़ती है,तो विकल्प के रूप में इराक, सऊदी अरब,संयुक्त अरब अमीरात,अमेरिका, ब्राजील, नाइजीरिया और अंगोला जैसे

स्रोतों से खरीद बढ़ाई जा सकती है।लेकिन किसी एक स्रोत को अचानक बड़े पैमाने पर बदलना केवल राजनीतिक निर्णय नहीं होता;इसमें कीमत,कच्चा की गुणवत्ता, रिफ़ाइनरी की तकनीकी जरूरत,समुद्री मालभाड़ा, बीमा,भुगतान व्यवस्था और उपलब्धता जैसे अनेक आर्थिक पहलू शामिल होते हैं।इसलिए भारत का घोषित रुख,ऊर्जा सुरक्षा के लिए विभिन्न देशों से खरीद का विविधीकरण व्यावहारिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है।भारत के विदेश मंत्रालय ने भी 17 सितंबर को स्पष्ट किया कि उसकी प्राथमिकता देश की 140 करोड़ विशाल आबादी की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना है और वह घटनाक्रम पर नजर रख रहा है।

साथियों कृया इसे 12-13 सितंबर 2026 को भारत की मेजबानी में हुए ब्रिक्स सम्मेलन और भारत-रूस- चीन की सक्रिय कूटनीतिक निकटता की पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए? इसे सीधे तौर पर ब्रिक्स सम्मेलन की प्रतिक्रिया कहना अभी प्रमाणित तथ्य नहीं होगा। समय का मेल जरूर ध्यान आकर्षित करता है,ब्रिक्स बैठक के तुरंत बाद अमेरिकी विधेयक का अंतिम चरण में पहुंचना और रूस-चीन-भारत के बीच आर्थिक एवं रणनीतिक संवाद का लगातार बढ़ना एक व्यापक भू- राजनीतिक संदर्भ बनाता है। लेकिन किसी कानून के पीछे सम्मेलन को प्रत्यक्ष कारण बताने के लिए ठोस सरकारी या विधायी प्रमाण आवश्यक होंगे। इसलिए इसे फ्लिहाल रणनीतिक प्रतिस्पर्धा की व्यापक पृष्ठभूमि और समय का संयोग,दोनों संभावनाओं के रूप में देखना अधिक तथ्यपरक होगा। अमेरिका का घोषित उद्देश्य रूस की ऊर्जा आय से मिलने वाले आर्थिक संसाधनों पर दबाव

बढ़ाना है, जबकि भारत का घोषित उद्देश्य अर्थ यह नहीं कि महंगा तेल लंबे समय हितों की रक्षा करना है।इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा बड़ा पहलू कच्चे तेल की कीमत है।

यदि मध्य-पूर्व का संघर्ष लंबा चलता है और वैश्विक तेल आपूर्ति पर दबाव बना रहता है, तो महंगा रूसी तेल ही नहीं बल्कि गैर-रूसी तेल भी महंगा हो सकता है। ऐसे में भारत के सामने समस्या केवल यह नहीं होगी कि रूस से कितना तेल खरीदना है, बल्कि यह भी होगी कि यदि रूसी आपूर्ति घटती है तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध अतिरिक्त तेल कितनी कीमत पर मिलेगा। महंगा कच्चा तेल भारत के आयात बिल को बढ़ाता है, रुपये पर दबाव डाल सकता है और पेट्रोल- डीजल, परिवहन, विमानन, रसायन, प्लास्टिक तथा अनेक औद्योगिक क्षेत्रों की लागत को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि ऊर्जा सुरक्षा को केवल पेट्रोलियम मंत्रालय का विषय नहीं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम उपभोक्ता से जुड़ा ठीक था से विषय माना जाता है।

साथियों,फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए तस्वीर पूरी तरह नकारात्मक नहीं है।वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। मूडीज के आकलन में मजबूत घरेलू मांग, निवेश और अर्थव्यवस्था की अब तक दिखाई गई मजबूती महत्वपूर्ण कारक हैं। एजेंसी ने साथ ही यह चेतावनी भी दी है कि लंबे समय तक ऊंची ऊर्जा कीमतें और अल नीनो से जुड़ी खाद्य महंगाई भविष्य में जोखिम बढ़ा सकती है। यानी भारत की अर्थव्यवस्था ने बाहरी झटकों को अब तक

काफ़ी हद तक संभाला है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि महंगा तेल लंबे समय तक बिना प्रभाव के सटीकता से गुजर जाएगा।

साथियों, इसी संदर्भ में भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति और नकदी प्रबंधन भी महत्वपूर्ण हो जाता है। 17 सितंबर को 50,000 करोड़ रूपए की सरकारी प्रतिभूतियों की ओपन मार्केट ऑपरेशन बिज्नी के जरिए अतिरिक्त बैंकिंग लिक्विडिटी को सोखने की प्रक्रिया बाजार के लिए महत्वपूर्ण संकेत है।सामान्य भाषा में समझें तो जब आरबीआई सरकारी बॉन्ड अतिरिक्त तेल कितनी कीमत पर मिलेगा। महंगा कच्चा तेल भारत के आयात बिल को बढ़ाता है, रुपये पर दबाव डाल सकता है और पेट्रोल- डीजल, परिवहन, विमानन, रसायन, प्लास्टिक तथा अनेक औद्योगिक क्षेत्रों की लागत को प्रभावित कर सकता है। यही कारण है कि ऊर्जा सुरक्षा को केवल पेट्रोलियम मंत्रालय का विषय नहीं बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम उपभोक्ता से जुड़ा ठीक था से विषय माना जाता है।

आम ग्राहक के लिए इसका अर्थ यह नहीं है कि उसके बैंक खाते से पैसा निकाल लिया गया या उसकी जमा राशि पर कोई सीधा खतरा पैदा हो गया। यह बैंकिंग प्रणाली और वित्तीय बाजार के स्तर पर होने वाला संस्थागत ऑपरेशन है। हालांकि इसका अप्रत्यक्ष प्रभाव ब्याज दरों के माध्यम से सामने आ सकता है। यदि बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त नकदी कम होती है तो बाजार की फंडिंग परिस्थितियां बदल सकती हैं और भविष्य में जमा तथा ऋण दरों पर असर पड़ सकता है। लेकिन किसी मौजूदा ऋण की ईएमआई केवल इस ओएमओ बिज्नी के कारण तुरंत बढ़ना जरूरी नहीं है; इसका वास्तविक प्रभाव ऋण के प्रकार, ब्याज दर की संरचना और नीनो से जुड़ी खाद्य महंगाई भविष्य में जोखिम बढ़ा सकती है। यानी भारत की अर्थव्यवस्था ने बाहरी झटकों को अब तक

साथियों, इस प्रकार सितंबर 2026 में

भारत के सामने एक असाधारण आर्थिक संतुलन की स्थिति है। एक तरफअमेरिका के साथ व्यापारिक संबंध,दूसरी तरफरूस से प्रतिस्पर्धी ऊर्जा आपूर्ति, तीसरी तरफ मध्य-पूर्व का भू-राजनीतिक संकट और चौथी तरफ घरेलू आर्थिक विकास को बनाए रखने की आवश्यकता।भारत के लिए समाधान किसी एक देश पर निर्भर रहने में नहीं बल्कि ऊर्जा स्रोतों,व्यापारिक साझेदारों,भुगतान प्रणालियों और रणनीतिक भंडार का लगातार विविधीकरण करने में दिखाई देता है।रूस से खरीद,पश्चिम एशिया केपारंपरिक आपूर्तिकर्ता, अमेरिका और अफ्रीका तथा लैटिन अमेरिकी स्रोत,सभी को परिस्थितियों के अनुसार संतुलित करना भारत की ऊर्जा रणनीति का हिस्सा बन सकता है।

दीर्घकाल में घरेलू उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी,ऊर्जा दक्षता और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का विस्तार आयात जोखिम को कम करने में सटीकता से मदद कर सकता है।

साथियों सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भारत के सामने फ्लिहाल कोई तत्काल 100 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ लागू नहीं हुआ है,बल्कि उसके लागू होने की संभावित शक्ति वाला अमेरिकी कानून राष्ट्रपति के स्तर पर लंबित है। इसलिए आने वाले दिनों में ट्रंप प्रशासन का निर्णय, भारत -अमेरिका व्यापार वार्ता, रूस से भारतीय तेल खरीद की दिशा, मध्य-पूर्व में संघर्ष की अवधि और अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमत,ये सभी कारक मिलकर आगे की तस्वीर तय करेंगे। मूडीज द्वारा 7 प्रतिशत वृद्धि अनुमान यह संकेत देता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के भीतर घरेलू मांग और निवेश की ताकत मौजूद है,

लेकिन महंगा तेल इस मजबूती की परीक्षा ले सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह केवल रूस बनाम अमेरिका या तेल बनाम टैरिफका मामला नहीं है। यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा, रणनीतिक स्वायत्तता, महंगाई नियंत्रण,आर्थिक विकास और वैश्विककूटनीतिक संतुलन, इन सभी की एक साथ परीक्षा है। आने वाले समय में भारत की नीति का सबसे बड़ा प्रश्न यही रहेगा कि वह सस्ती और विश्वसनीय ऊर्जा की जरूरत को पूरा करते हुए अमेरिका समेत अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ संबंधों को किस प्रकार संतुलित करता है। यही संतुलन यह तय करेगा कि मौजूदा वैश्विक संकट भारत की विकास गति पर अस्थायी दबाव बनता है या देश की आर्थिक और ऊर्जा रणनीति को और अधिक विविध एवं आत्मनिर्भर बनाने का अवसर साबित होता है।

लेखक



एडवोकेट किशन
भावनानी गोंदिया

शब्दवर्गपहेली क्र.- 276

1	2	3		4	5	6		7		8	9		10	11	12	13	14
15			16		17			18	19				20			21	
22			23		24			25				26			27		28
		29			30	31					32				33		34
	35		36	37				38			39		40		41		
42		43				44	45			46	47		48	49			50
51					52				53		54	55		56		57	58
59				60					61		62		63		64		65
			66				67			68		69				70	
71		72			73	74			75				76			77	
		78		79		80		81					82		83		84
		85			86		87				88	89		90	91		92
93	94			95					96	97			98			99	
100					101				102				103	104		105	106
				107		108	109	110		111		112		113		114	115
116						117				118						119	120

ck; 1) nk; 1) खेद व्यक्त करना 4) स्टेनोग्राफर का हिन्दीकरण 8) सवेरा 10) निरपराध, बेगुनाह 13) श्रीरामजी के एक पुत्र 15) सर्वोच्च, अत्याधिक 17) बंदर 18) हिन्दी के एक प्रसिद्ध अंध कवि जो अनन्य कृष्णमक्त और अन्ध थे 20) साम्राज्य (उर्दू) 22) सन्देह 23) जलयान 25) संगीत में सात स्वरा का उतार चढ़ाव, जयाप्रदा की पहली फिल्म 26) सरस्वती 27) जो भारी न हो 29) महीना 30) राजा, सम्राट, सुलतान 32) मजबूत 33) बिदाई, प्रस्थान 36) चन्द्रमा, ओशो 38) नया आया हुआ 40) गीला 42) तैयार करना 44) पशु, ढोर 46) प्रत्येक 48) शांति, स्तब्धता 50) है का बहुवचन 51) वायुमंडल, शरीर आदि की उष्णता की मात्रा 52) वह कीचड़युक्त जमीन जिसपर पैर पड़ते ही धंस जाता है 54) ब्राह्मण 56) अहंकारी, मानयुक्त 59) विध्वंस, बरबाद 60) विष्णु का एक नाम 61) कलफ

का अपभ्रंश रूप, कपड़े को कड़ा करने के लिये लगायी जानेवाली माडी 63) एक पुराने प्रसिद्ध फिल्मी गीतकार 66) अनुराग, लाड़-प्यार 67) प्रेम 68) परस्त्री 70) रहस्य 71) व्यक्ति का दूसरा नाम 73) थकावट 75) बलराम, श्रीकृष्ण के भाई का एक नाम 76) गिनती करना 78) कमी कमी,, जब तब 80) पुष्प रस 82) हुनर 83) पुत्र 85) परमेश्वर 87) वस्तु को तैयार करने में होनेवाला खर्च 88) ठंडा 90) विवाहिता 92) कामदेव की पत्नी 93) छल, धोखा, मिथ्या व्यवहार 95) आशय, अर्थ 96) जीवनयापन का स्तर 99) काव्य रचयिता 100) वास करना 101) मुसलमानों की मक्के की यात्रा 103) ईश्वर (उर्दू) 105) मेड़ बकरियां चरानेवाला 108) आपत्ति आना अर्थवाला एक मुहावरा 112) विशिष्ट अधिकारियों को असाधारण शौर्य के लिये भारत सरकार द्वारा दिया जानेवाला एक अलंकरण 115) शीर्ष, चोटी, सिर 116)

गौरजरुरी 117) फूलों का हार 118) विषैला 119) किसी चीज का अमाव महसूस करना 120) मृत्यु होना

Aij 1) ulp; 1) गाली 2) अंतर 3) देवता इस रस का पान करते थे 5) तोता 6) वर्ण या अक्षर के अंकित चिन्ह, लिखने की विविध पद्धतियां 7) अपराध 8) श्रीकृष्ण के ब्राह्मण बाल सखा 9) पर्याप्त 10) धनवान 11) धागा 12) मन को हरनेवाला 14) लाश 16) गणेशजी का वाहन 19) नस नस 20) सरदार की पत्नी 21) खड्ग 23) विष 24) मौखिक 25) सहिष्णु 26) विपत्ति 28) श्रवणेंद्रिय 31) गणित में मित्र का एक भेद जिसमें हर में दस या उसका घात होता है 34) गाना 35) ऊलजलूल 37) पानी 39) परत 41) मक्खन 42) बतलाना 43) पत्र (उर्दू) 45) हमारे आदि ग्रंथ जिनकी संख्या चार है 47) सूरज 49) विष्णु 52) राजा जनक के समधी 53) क्षण क्षण 55) पहरेदार 57) डर 58) रोगी 60) एक फल 62) परदे में रहनेवाली स्त्री 64) सीता 65) प्राचीन 66) पूछवाला 67) क्रान्ति (उर्दू) 69) नाई, नापित 71) शिव पार्वती 72) बेइज्जती होना अर्थवाला एक मुहावरा 74) कार्य 75) और भी बुरा 76) कंठ 77) लगा हुआ, लीन 79) पिता के पिता के पिता 81) वर्ण 82) झगड़ा 84) बुद्धि 86) रात को भजन कीर्तन में किया गया जागरण 89) चित्र 91) सीमा 92) रविवार 94) परिधान करना 97) जिद्दी 98) छत्रपति शिवाजी के सेनापती तानाजी के लिये प्रयुक्त एक उपाधि 99) हाथ 102) विलंब 104) वर्ष 105) पहिया 106) पराजित होना 107) प्राचीन चार जातियों (वर्णों) में से एक 109) एकत्र 110) शिकायत (उर्दू) 111) घमंड 112) बाल कथाओं में वर्णित पंखोवाली एक कल्पित स्त्री 113) विचार 114) एक अनाज (जवाब अगले अंक में)

पिछले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

का	म	या	बी		जा	न	ना		आ	ना	का	नी	क	र	ना		ना	ज	नी	न
त	न	म	न	ध	न		सि	त	म	ग	र		री		लि	या	क	त		ज
र	न		ना	व		म	क	रं	द		खा	ना	ब	दो	श		क	ला	का	र
	शी	ल		ल	ह	र		ग		प	ना	मा		स्त		प	ट	ना		ल
ब	ल	दा	ऊ		ज	ना	ब		दी	न		कू	ल		ग	ह	ना		आ	ग
क		न	स	वा	र		र	ब		प	ह	ल	गा	म		ला		क		ना
ब	म		र	ज	त		ब	ना	ब	ना	या		ता	न	ना		का	लि	ख	
क	छु	आ		पे		ह	स	र	त			च	र	प	रा		या		ब	द
	आ	त	ता	यी		ज		स	ला	ह	का	र		सं	ज	ना	क	पू	र	
खा	रा	प	न		ह	म	ला		ना	मा		स	न	द		क	ल्प		दा	ग
क			से	व	क		ख	ल		रा	जा		फ	क			सा	र		
	ज	बा	न	च	ला	ना		ब	ल		म	ग	र	म	च्छ	के	आं	सू		मे
मा	य	ना		न	ह	ला	ना			ज	न	म	त		प	र	ख		मा	ह
ता	ल		श्रो		ट		गि	द्ध		म	ग	न		अं		ल		च	ल	न
म	लि	न	ता			त	न		बै	घ	र		अं	धे	रा		क	र	दा	ता
ह	ता	शा		स	म	य		ल	ला	ट		अ	ग	र	म	ग	र	क	र	ना



एफएसएसएआई ने शिशु पोषण उत्पादों को लेकर नेस्ले इंडिया के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की

नई दिल्ली, (भाषा)। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने शिशु पोषण के तीन उत्पादों में खाद्य सुरक्षा मानकों का कथित रूप से पालन नहीं करने को लेकर नेस्ले इंडिया लिमिटेड के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

हालांकि, रोजमर्रा की जरूरत का सामान बनाने वाली कंपनी (एफएमसीजी) ने कहा कि वह लागू नियमों का पूरी तरह पालन कर रही है। एफएसएसएआई ने शुक्रवार को बताया कि उसने ई-कॉमर्स मंचों पर उपलब्ध नैन एक्सेला प्रो स्टेज 1, लैक्टोजेन प्रो 1 और एक फॅलो-अप फॉर्मूला को जांच शुरू की है। नियामक ने नैन एक्सेला प्रो स्टेज-1 में '5एचएमओ' और 'व्हे प्रोटीन' से जुड़े दावों पर आपत्ति जताई है। वहीं, लैक्टोजेन प्रो 1 में 'व्हे प्रोटीन' को आसानी से पचने वाला बताने के दावे पर सवाल उठाया गया है। एफएसएसएआई ने कहा कि उसने इन दावों को लेकर नेस्ले इंडिया से स्पष्टीकरण मांगा था।

नियामक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि दोनों उत्पाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक (शिशु पोषण के लिए खाद्य पदार्थ) विनियम, 2020 के विनियम 4(2) का उल्लंघन करते पाए गए। यह प्रावधान शिशु खाद्य पदार्थों की बिक्री बढ़ाने के उद्देश्य से किए जाने वाले प्रचार संबंधी दावों या सामग्री पर रोक लगाता है। इसके अलावा, ये उत्पाद शिशु दुध विकल्प, 'फोडिंग' बोटल और शिशु खाद्य (उत्पादन, आपूर्ति और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 3 के भी खिलाफपाए गए, जो ऐसे उत्पादों के विज्ञापन या प्रचार पर रोक लगाती है।

वहीं नेस्ले इंडिया द्वारा निर्मित एक फॅलो-अप



फॉर्मूला का नमूना प्रयोगशाला जांच में बायोटिन की मात्रा के मामले में मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। नमूने को दोबारा जांच के लिए भेजा गया और संदर्भ प्रयोगशाला ने भी इसे 2020 के नियमों में निर्धारित बायोटिन की आवश्यकता के अनुरूप नहीं पाया। एफएसएसएआई ने कहा कि इन निष्कर्षों के मद्देनजर उसने तीनों उत्पादों के संबंध में नेस्ले इंडिया के खिलाफ तीन अलग-अलग

निर्णयन मामले दर्ज किए हैं। इस बीच बीएसई पर नेस्ले इंडिया के शेयर 1.4 प्रतिशत लुढ़ककर 1,353.10 रुपये पर बंद हुए।नेस्ले इंडिया ने शुक्रवार को कहा कि उसके शिशु पोषण उत्पाद सभी लागू नियमों का पूरी तरह पालन करते हैं।

नेस्ले इंडिया के प्रवक्ता ने बयान में कहा, "उक्त उत्पाद (नैन एक्सेला प्रो और लैक्टोजेन प्रो) और उनके लेबल को एफएसएसएआई की विशेषज्ञ समिति ने मंजूरी दी थी।" कंपनी ने कहा कि उसने लेबल पर दिए गए विवादित बयानों को लेकर अधिकारियों को फिर से विस्तृत जवाब सौंपा है। कंपनी के अनुसार, ये बयान तथ्यात्मक हैं और वैज्ञानिक साहित्य पर आधारित हैं।

ट्राई ने स्पैम नियमों को किया सख्त, एआई आधारित पहचान और रोबोकॉल निगरानी के दायरे में

नई दिल्ली, (भाषा)। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने शुक्रवार को स्पैम पर अंकुश लगाने के नियमों को कड़ा करते हुए संदिग्ध अवांछित नंबरों की कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित पहचान को नियामकीय दायरे में ला दिया और स्वचालित

ट्राई ने फरवरी 2026 में दूरसंचार कंपनियों को संदिग्ध स्पैम पर कार्रवाई के लिए एआई/एमएल आधारित प्रणाली के इस्तेमाल का निर्देश दिया था। इन प्रावधानों को अब दूरसंचार वाणिज्यिक संचार ग्राहक वरीयता विनियम, 2018 (टीसीसीसीपीआर) में शामिल कर दिया गया है।

संशोधित नियमों में ए2पी कॉल को ऐसी वॉयस कॉल के रूप में परिभाषित किया गया है जो किसी ऐप, सॉफ्टवेयर प्रणाली या स्वचालित मंच से बिना किसी व्यक्ति द्वारा सीधे नंबर मिलाए शुरू की जाती है। इसमें ऑटो-डायलिंग, रोबोकॉल और पहले से रिकॉर्ड या कृत्रिम आवाज वाली कॉल शामिल हैं। ऐसी कॉल के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाता को पहले से जानकारी देना और इस्तेमाल किए जाने वाले नंबरों का विवरण देना अनिवार्य होगा। बिना घोषणा वाली ए2पी कॉल को स्पैम माना जाएगा और उन पर अधिकतम पांच पैसे प्रति मिनट का टर्मिनेशन शुल्क लगाया जाएगा। हालांकि निर्धारित नंबर श्रृंखला या अधिकृत कॉल को इससे छूट होगी।

संशोधित नियम पंजीकृत हेडर (प्रेषक की पहचान बताने वाले नाम/कोड) और सामग्री टेम्पलेट (पहले से पंजीकृत संदेश प्रारूप) के दुरुपयोग पर भी तेजी से कार्रवाई का प्रावधान करते हैं। यदि किसी टेलीमार्केटर को इसके लिए जिम्मेदार पाया जाता है, तो सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं पर उसके दूरसंचार संसाधनों को एक साल के लिए काटने के साथ उसे काली सूची में डाला जा सकता है।

ट्राई ने कहा कि संशोधनों का उद्देश्य उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाना, संबंधित पक्षों की जवाबदेही सुनिश्चित करना और स्पैम के लिए दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग के खिलाफअधिक प्रभावी तथा समयबद्ध कार्रवाई करना है।



कॉल एवं रोबोकॉल पर निगरानी बढ़ा दी। नए नियमों में बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक संचार के लिए इस्तेमाल होने वाली एप्लीकेशन-टू-पर्सन (ए2पी) कॉल पर टर्मिनेशन शुल्क लगाने जैसे निरोधक प्रावधान भी किए गए हैं।

स्पैम ऐसे अनचाहे संदेश या कॉल होते हैं, जो बड़ी संख्या में लोगों को बिना उनकी मांग या सहमति के भेजे जाते हैं।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा कि यदि कॉल प्रबंधन ऐप अपने उपयोगकर्ताओं को अवांछित वाणिज्यिक संचार (यूसीसी) की शिकायत करने की सुविधा देना चाहते हैं, तो उन्हें स्पैम संबंधी जानकारी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के साथ साझा करनी होगी।

नियामक ने कहा कि कॉल प्रबंधन ऐप सेवा एवं लेनदेन संबंधी कॉल के लिए निर्धारित 1600/1601 नंबर श्रृंखला और विनियमित प्रचारारम्भ कॉल के लिए निर्धारित 140 श्रृंखला को एकमुश्त ढंग से ब्लॉक या टैग नहीं कर सकेंगे।

हालांकि, उपभोक्ता अपने फ़ोन पर कॉल को अपनी इच्छा से ब्लॉक या फ़िल्टर कर सकेंगे।

संशोधित नियमों में उपभोक्ताओं को स्पैम संबंधी शिकायत के निपटारे के खिलाफ अपील का विकल्प भी दिया गया है। यह अपील शिकायत

के निपटान के 15 दिन के भीतर की जा सकेगी। नए नियमों के मुताबिक, किसी कंपनी के उत्पाद या सेवा के बारे में ग्राहक की सत्यापन-योग्य पुष्टाछ होने पर अधिकतम सात दिन तक संबंधित वाणिज्यिक संवाद किया जा सकेगा।

ट्राई ने कहा कि यह पुष्टाछ लिखित या डिजिटल माध्यम से होनी चाहिए और प्रेषक को उसका सत्यापन-योग्य रिकॉर्ड रखना होगा। यह प्रावधान मुख्य रूप से ई-कॉमर्स और ई-सर्विस मंचों के संचार को सुगम बनाने के लिए किया गया है।

नियामक ने संदिग्ध स्पैम के खिलाफ जल्द कार्रवाई के लिए शिकायत आधारित एक नया आधार भी जोड़ा है। अब 10 दिन में तीन या अधिक अलग-अलग शिकायतें मिलने के साथ दूरसंचार कंपनियों की एआई/एमएल प्रणाली द्वारा चिह्नित होने पर संदिग्ध स्पैम के खिलाफ जल्द कार्रवाई की जा सकेगी।

दूरसंचार कंपनियों को ऐसे नंबरों की पहचान करनी होगी जिनके अवांछित वाणिज्यिक संचार में इस्तेमाल होने की 'उच्च संभावना' हो। उन्हें यह जानकारी अन्य परिचालकों के साथ साझा करनी होगी। दस दिन में ऐसे पांच या अधिक नंबर चिह्नित होने पर आगे जांच और चरणबद्ध कार्रवाई की जा सकेगी। इसमें केवाईसी का दोबारा सत्यापन, भौतिक सत्यापन और बार-बार उल्लंघन के मामलों में दूरसंचार कनेक्शन काटना शामिल

है।

ट्राई ने फरवरी 2026 में दूरसंचार कंपनियों को संदिग्ध स्पैम पर कार्रवाई के लिए एआई/एमएल आधारित प्रणाली के इस्तेमाल का निर्देश दिया था। इन प्रावधानों को अब दूरसंचार वाणिज्यिक संचार ग्राहक वरीयता विनियम, 2018 (टीसीसीसीपीआर) में शामिल कर दिया गया है।

संशोधित नियमों में ए2पी कॉल को ऐसी वॉयस कॉल के रूप में परिभाषित किया गया है जो किसी ऐप, सॉफ्टवेयर प्रणाली या स्वचालित मंच से बिना किसी व्यक्ति द्वारा सीधे नंबर मिलाए शुरू की जाती है। इसमें ऑटो-डायलिंग, रोबोकॉल और पहले से रिकॉर्ड या कृत्रिम आवाज वाली कॉल शामिल हैं। ऐसी कॉल के लिए दूरसंचार सेवा प्रदाता को पहले से जानकारी देना और इस्तेमाल किए जाने वाले नंबरों का विवरण देना अनिवार्य होगा। बिना घोषणा वाली ए2पी कॉल को स्पैम माना जाएगा और उन पर अधिकतम पांच पैसे प्रति मिनट का टर्मिनेशन शुल्क लगाया जाएगा। हालांकि निर्धारित नंबर श्रृंखला या अधिकृत कॉल को इससे छूट होगी।

संशोधित नियम पंजीकृत हेडर (प्रेषक की पहचान बताने वाले नाम/कोड) और सामग्री टेम्पलेट (पहले से पंजीकृत संदेश प्रारूप) के दुरुपयोग पर भी तेजी से कार्रवाई का प्रावधान करते हैं। यदि किसी टेलीमार्केटर को इसके लिए जिम्मेदार पाया जाता है, तो सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं पर उसके दूरसंचार संसाधनों को एक साल के लिए काटने के साथ उसे काली सूची में डाला जा सकता है।

ट्राई ने कहा कि संशोधनों का उद्देश्य उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ाना, संबंधित पक्षों की जवाबदेही सुनिश्चित करना और स्पैम के लिए दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग के खिलाफअधिक प्रभावी तथा समयबद्ध कार्रवाई करना है।

विमानन, रक्षा और सेमीकंडक्टर सहित कई क्षेत्रों को सहयोग दे रहे हैं।

उन्होंने कहा, "अगला ध्यान विनिर्माण संयंत्रों के भीतर ही व्यावहारिक अनुसंधान एवं विकास पर होना चाहिए, जिसका मकसद उत्पाद की गुणवत्ता और विनिर्माण प्रक्रियाओं में सुधार करना होगा।"

एक अलग संवाददाता सम्मेलन में वैष्णव ने कहा कि 'सेमीकॉन इंडिया 2026' में आयोजित आधा दर्जन से अधिक देशों की गोलमेज बैठकें दर्शाती हैं कि उनकी सरकारें अपनी कंपनियों द्वारा भारत में काम बढ़ाने का समर्थन कर रही हैं।

साझेदारी के अवसरों का मूल्यांकन करने के लिए अमेरिका, जापान, नीदरलैंड, फिनलैंड, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया की सेमीकंडक्टर क्षेत्र से जुड़ी कंपनियों ने भारतीय कंपनियों तथा केंद्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधियों के साथ गोलमेज बैठकें कीं।

किसानों के कल्याण के लिए केंद्र, राज्यों को मिलकर काम करना होगा: शिवराज..

हैदराबाद, (भाषा)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि किसानों के कल्याण और उनकी आय बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार राज्यों को पूरा सहयोग देगी। उन्होंने हर किसान तक 'किसान क्रेडिट कार्ड' (केसीसी) की सुविधा पहुंचाने के लिए प्रयास बढ़ाने की जरूरत भी बताई।

चौहान ने दक्षिणी राज्यों के कृषि मंत्रियों के सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में कहा कि शुरुआत में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभार्थी किसानों को केसीसी उपलब्ध कराया जा सकता है, जिससे उन्हें सस्ती ब्याज दरों पर ऋण मिल सके। उन्होंने कहा, "भारत सरकार, राज्यों के साथ पूरी ताकत से सहयोग करेगी। जमीन राज्य के पास है। किसान राज्य में हैं। देश सबसे पहले है। केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करना चाहिए।"

उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय सम्मेलन केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग मजबूत करने के लिए



है। इसके लिए उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाना, खेती की लागत कम करना, किसानों की उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करना, फसल बीमा, फसल विविधीकरण और मिट्टी की सेहत पर काम करना जरूरी है।उन्होंने राज्यों से किसानों को समय पर बीज उपलब्ध कराने के लिए पहले से बीज की जरूरत तय करने तथा खराब गुणवत्ता वाले बीज और कीटनाशकों से किसानों को बचाने के उपाय करने को कहा।

चौहान ने कहा कि बीज और कीटनाशकों से जुड़े नए कानून बनाने की जरूरत है। हालांकि, उन्होंने राज्यों से अपील की कि नया कानून बनने तक मौजूदा कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र अरहर, मसूर और उड़द की खरीद का भरोसा देता है, जबकि अन्य फसलों की खरीद प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) के तहत की जाती है। चौहान ने नारियल को बढ़ावा देने के लिए नई योजना लागू किए जाने की भी जानकारी दी।

भारत में आईफोन 18 श्रृंखला की बिक्री शुरू, एप्पल स्टोर के बाहर लगीं कतारें..

नई दिल्ली, (भाषा)। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी एप्पल की आईफोन 18 श्रृंखला के फोन शुक्रवार को भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध हो गए। इनके लिए दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु तथा नोएडा समेत प्रमुख शहरों में कंपनी के स्टोर के बाहर खरीदारों की कतारें देखी गईं।

एप्पल ने नौ सितंबर को आईफोन 18 श्रृंखला के उत्पाद पेश किए थे। कंपनी ने 12 सितंबर से भारत समेत 65 देशों में इनकी प्री-बुकिंग शुरू कर दी थी। आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स मॉडल की भारत में शुरुआती कीमत क्रमशः 1,64,900 रुपये और 1,79,900 रुपये है। दोनों मॉडल चार रंगों और अलग-अलग स्टोरेज क्षमता में उपलब्ध हैं।

दिल्ली के एक एप्पल स्टोर पर एक ग्राहक ने बताया कि उसने आईफोन 15 प्लस से अपग्रेड करने के लिए आईफोन 18 प्रो मैक्स के साथ एप्पल वॉच भी बुक की है। उसने नए मॉडल में

बेहतर प्रदर्शन और कई नए फीचर मिलने के कारण इसे खरीदने की बात कही।

दिल्ली के निवासी मन्नात सिंह ने कहा कि वह आईफोन 18 प्रो मैक्स के बरांगी रंग, ए20 चिप, एआई क्षमताओं और कैमरा फीचर से आकर्षित हुए। उन्होंने एप्पल के ब्रांड आकर्षण को भी खरीद का एक कारण बताया।

मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्थित एप्पल स्टोर के बाहर भी खरीदारों की लंबी कतारें देखी गईं। एक ग्राहक ने बताया कि वह पहला आईफोन लेने के लिए सूरत से मुंबई आया था और स्टोर खुलने से करीब 10-12 घंटे पहले वहां पहुंच गया था।

आईफोन 18 प्रो और आईफोन 18 प्रो मैक्स में एप्पल की नवीनतम चिप और उन्नत कैमरा



प्रणाली दी गई है। इनके डिस्प्ले, प्रदर्शन और बैटरी से जुड़े फीचर में भी सुधार किया गया है।

आईफोन 18 श्रृंखला की बिक्री भारत में त्योहारी खरीदारी के मौसम से पहले शुरू हुई है। इस दौरान स्मार्टफोन कंपनियां नए उपकरणों की उपलब्धता, प्रचार और वित्तपोषण योजनाओं के जरिये बिक्री बढ़ाने की कोशिश करती हैं।

एप्पल ने इस बार फ्लेडबल स्मार्टफोन की श्रेणी में भी कदम रखा है। कंपनी का आईफोन डुओ मॉडल भारत में बिक्री के लिए 23 अक्टूबर से उपलब्ध होगा। इसकी कीमत 256 जीबी मॉडल के लिए 2,99,900 रुपये से शुरू होकर दो टीबी स्टोरेज वाले मॉडल के लिए 4,49,900 रुपये तक होगी।

भारत में एप्पल का कारोबार तेजी से बढ़ा है। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का राजस्व 10 अरब डॉलर से अधिक रहने का अनुमान है।

काउंटरपॉइंट रिसर्च के अनुसार, इस अवधि में भारत में एप्पल के आईफोन की बिक्री सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़कर 1.4 करोड़ इकाई हो गई। भारतीय बाजार में कंपनी के राजस्व में आईफोन की सबसे बड़ी हिस्सेदारी है।

लद्दाख में सी-बकथॉर्न का खरीद मूल्य हुआ दोगुना, अब न्यूनतम 300 रुपये किलो..

लेह, (भाषा)। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को सी-बकथॉर्न के फलों का न्यूनतम खरीद मूल्य 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रति किलोग्राम करने की घोषणा की। इस कदम का उद्देश्य सी-बकथॉर्न का उत्पादन करने वाले किसानों और स्थानीय समुदायों की आय बढ़ाना है।

सक्सेना ने लेह में आयोजित दो-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सी-बकथॉर्न सम्मेलन के उद्घाटन के दिन यह घोषणा की। उन्होंने लद्दाख के सी-बकथॉर्न पर आधारित विशेष डाक आवरण भी जारी किया।

'सी-बकथॉर्न' ठंडे और पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाने वाली एक काटेदार झाड़ी है। इसके नारंगी-पीले रंग के फलों का इस्तेमाल जूस, खाद्य उत्पादों, सौंदर्य एवं कुछ पारंपरिक उत्पादों में किया जाता है।

अधिकारियों के अनुसार, लद्दाख में सी-बकथॉर्न के प्राकृतिक रूप से घनी और काटेदार झाड़ियों में उगने से इसके फलों की तुड़ाई मुश्किल होती है। इस कारण सालाना उत्पादन का करीब 85 प्रतिशत हिस्सा बर्बाद हो जाता है और केवल 15 प्रतिशत का ही व्यावसायिक उपयोग हो पाता है।

सक्सेना ने इस साल फसल के व्यावसायिक उपयोग की दर कम से कम 50 प्रतिशत और अगले साल 100 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए आधुनिक तुड़ाई तकनीक अपनाने के साथ बेहतर मूल्यवर्धन, पैकेजिंग और बाजार संपर्क विकसित करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि फिन्हाल लद्दाख में सी-बकथॉर्न का अधिकांश उत्पादन प्राकृतिक रूप से होता है, जिससे किसानों के लिए इसकी तुड़ाई मुश्किल हो जाती है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इसकी व्यवस्थित खेती को बढ़ावा दिया जाएगा और खेती, तुड़ाई, प्रसंस्करण, पैकेजिंग तथा विपणन से जुड़ी पूरी मूल्य श्रृंखला विकसित करने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की जा रही है।

सक्सेना ने कहा कि काटेदार झाड़ियों से फल निकालना श्रमसाध्य और समय लेने वाला है, जिससे बड़ी मात्रा में उपज नष्ट हो जाती है।

उपराज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भी आभार जताया, जिन्होंने 'मन की बात' कार्यक्रम में सी-बकथॉर्न को 'संजीवनी' बताया था। सक्सेना ने कहा कि लद्दाख सी-बकथॉर्न किस्म का जीआई पंजीकरण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इसकी पहचान, प्रामाणिकता और ब्रांड मूल्य स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि लेह जिले के लिए सी-बकथॉर्न को 'एक जिला, एक उत्पाद' पहल में शामिल किए जाने से भी इस क्षेत्र को बढ़ावा मिला है।

सक्सेना के अनुरोध पर केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने नुब्रा घाटी में सी-बकथॉर्न के लिए सर्मापित 'राष्ट्रीय संजीवनी अनुसंधान केंद्र' स्थापित करने की संभावनाओं पर विचार के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित की है। इस केंद्र में सी-बकथॉर्न के शोध, विकास, आनुवंशिक सुधार, प्रसार, तुड़ाई और मूल्यवर्धन से जुड़े काम किए जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय सी-बकथॉर्न सम्मेलन में 20 प्रमुख खरीदारों और करीब 120 एमएसएमई-पंजीकृत उद्यमियों तथा स्वयं सहायता समूहों के अलावा मंगोलिया, वियतनाम और अरुणाचल प्रदेश के तकनीकी विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, शोधकर्ता और उद्यमी भाग ले रहे हैं। सम्मेलन का उद्देश्य सी-बकथॉर्न की आर्थिक संसाधन के रूप में विकसित करने से जुड़े अनुभवों और तकनीकी जानकारी का आदान-प्रदान करना है।

‘सेमीकॉन 2.0’ योजना से बनेंगी 200 चिप डिजाइन कंपनियां: वैष्णव

नई दिल्ली, (भाषा)। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि सरकार की 1.27 लाख करोड़ रुपये की सेमीकंडक्टर योजना 'सेमीकॉन 2.0' के तहत लगभग 200 चिप डिजाइन कंपनियों के सामने आने की उम्मीद है।

एक संवाद सत्र के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन 200 चिप कंपनियों का उद्देश्य देश के लिए एक बड़ा बदलाव साबित होगा।

वैष्णव ने कहा, "आईटी उद्योग और वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) में स्थापित देश की डिजाइन क्षमता अब सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भी बढ़ रही है। हमारा अनुमान है कि सेमीकॉन 2.0 के तहत कम से कम 200 चिप डिजाइन कंपनियां

उभरेंगी।" उन्होंने बताया कि 'आईएसएम 1.0' में चिप-डिजाइन स्टार्टअप के लिए सहायता के पहले चरण का ध्यान इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन ऑटोमेशन (ईडीए) टूल्स की उच्च लागत को कम करने पर केंद्रित था। इस पहल के माध्यम से 105 से अधिक चिप डिजाइन स्टार्टअप को अत्याधुनिक ईडीए टूल्स तक पहुंच मिली, जबकि 20 स्टार्टअप को उद्यम पूंजी वित्तपोषण मिला।

वैष्णव ने कहा कि इस क्षेत्र की प्रगति ने इस कार्यक्रम के विस्तार को प्रोत्साहित किया है और बड़ी कंपनियों तथा वैश्विक स्तर पर काम कर रहे भारतीय मूल के इंजीनियरों की भागीदारी बढ़ाई है।

मंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण परिवेश ने सटीक विनिर्माण क्षमताओं को विकसित करने में मदद की है, जो अब इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल विनिर्माण, एयरोस्पेस,

मंडला जिले में हिन्दी दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के प्रकाशन हेतु संपर्क करें..

हेमंत नायक

मो. 88273 19933

जग प्रेरणा

10 शनिवार 19 सितम्बर 2026

live मंडला नैनपुर

● बिछिया ● बीजांडी ● घुघरी ● मवई ● मोहगांव ● नारायणगंज ● निवास

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

16 सूत्रीय मांगों को लेकर पंचायत सचिवों ने निकाली रैली, शासन से शीघ्र निराकरण की मांग

जगप्रेरणा मंडला। मध्यप्रदेश पंचायत सचिव संगठन के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर पंचायत सचिवों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर आंदोलन किया और रैली निकालकर शासन-प्रशासन का ध्यान अपनी समस्याओं की ओर आकर्षित कराया। पंचायत सचिवों ने अपनी 16 सूत्री मांगों को लेकर आवाज बुलंद करते हुए कहा कि लंबे समय से सेवा संबंधी कई महत्वपूर्ण मांगें लंबित हैं, लेकिन अब तक उनका अपेक्षित निराकरण नहीं हो पाया है। इसी के चलते संगठन को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है।



शासन से सकारात्मक कार्रवाई की उम्मीद

रैली और आंदोलन के दौरान पंचायत सचिवों ने शासन से उनकी 16 सूत्री मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई करने की मांग की। संगठन का कहना है कि उनकी अधिकांश मांगें लंबे समय से शासन के समक्ष रखी जा रही हैं और अब उन्हें लेकर ठोस निर्णय की आवश्यकता है। पंचायत सचिवों ने कहा कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में शासन और आम जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। ऐसे में उनकी समस्याओं का समाधान होने से वे अपने कार्यों को और अधिक प्रभावी तरीके से कर सकेंगे। संगठन ने स्पष्ट किया कि 16 सूत्री मांगों को लेकर यह आंदोलन प्रदेश संगठन के आह्वान पर किया गया है। पंचायत सचिवों ने शासन से मांग की कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द निर्णय लिया जाए, ताकि लंबे समय से लंबित सेवा संबंधी समस्याओं का समाधान हो सके। अब पंचायत सचिव संगठन की निगाहें शासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं। संगठन को उम्मीद है कि सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक पहल करते हुए आवश्यक निर्णय लेगी और पंचायत सचिवों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

वेतनमान और वेतन विसंगति दूर करने की मांग

पंचायत सचिव संगठन की प्रमुख मांगों में वेतनमान एवं वेतन विसंगति का निराकरण शामिल है। पंचायत सचिवों का कहना है कि उनकी सेवा एवं कार्य की प्रकृति को देखते हुए वेतन संबंधी विसंगतियों को दूर किया जाना चाहिए। संगठन लंबे समय से इस मांग को शासन के समक्ष रखता आया है। इसके साथ ही पंचायत सचिवों ने 50 प्रतिशत विभागीय कोटा लागू करने की मांग भी उठाई है। संगठन का कहना है कि विभागीय स्तर पर लंबे समय से कार्य कर रहे पंचायत सचिवों के हितों को ध्यान में रखते हुए विभागीय कोटे का उचित प्रावधान किया जाना चाहिए।

300 दिवस अर्जित अवकाश नगदीकरण की मांग

पंचायत सचिवों ने 300 दिवस अर्जित अवकाश के नगदीकरण की मांग भी रखी है। संगठन का कहना है कि सेवा अवधि के दौरान अर्जित अवकाश से संबंधित नियमों में पंचायत सचिवों के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित व्यवस्था की जानी चाहिए।

इसी तरह पंचायत सचिवों ने स्वास्थ्य बीमा और आयुष्मान योजना का लाभ दिए जाने की मांग की है। संगठन का कहना है कि पंचायत सचिवों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य संबंधी सुरक्षा उपलब्ध होना आवश्यक है, ताकि गंभीर परिस्थितियों में उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।

सेवानिवृत्ति पर आर्थिक सुरक्षा की मांग

संगठन ने सेवानिवृत्ति के समय न्यूनतम एक लाख रुपये की राशि दिए जाने की मांग भी रखी है। पंचायत सचिवों का कहना है कि लंबे समय तक ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएँ देने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक सुरक्षा मिलनी चाहिए। इसके अलावा पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग भी आंदोलन के प्रमुख मुद्दों में शामिल रही। पंचायत सचिवों का कहना है कि पेंशन कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है और इस पर शासन को सकारात्मक निर्णय लेना चाहिए।

गैर-पंचायती कार्यों से मुक्त करने की मांग

पंचायत सचिवों ने गैर-पंचायती कार्यों पर रोक लगाने की मांग की भी प्रमुखता से उठाया। संगठन का कहना है कि पंचायत सचिवों पर

लगातार अतिरिक्त एवं गैर-पंचायती कार्यों का भार बढ़ाया जा रहा है, जिससे उनके मूल पंचायत संबंधी दायित्व प्रभावित होते हैं। संगठन ने मांग की कि पंचायत सचिवों से उनके पद और मूल दायित्व के अनुरूप ही कार्य कराया जाए। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न योजनाओं और अभियानों के अतिरिक्त कार्यों का दबाव पंचायत सचिवों पर बढ़ने की बात संगठन की ओर से कही गई।

सेवाकाल की गणना का मुद्दा

पंचायत सचिवों ने सेवाकाल से संबंधित गणना की मांग की भी प्रमुखता से उठाया। संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि यह मांग लंबे समय से चली आ रही है और पंचायत सचिवों के सेवा हितों से सीधे जुड़ी हुई है। संगठन का कहना है कि पंचायत सचिवों की सेवाओं से संबंधित वर्षों पुराने विषयों का उचित समाधान किया जाना चाहिए, ताकि कर्मचारियों को उनके वास्तविक सेवाकाल के आधार पर मिलने वाले लाभों का लाभ मिल सके।

स्वामित्व योजना के अतिरिक्त कार्य से मुक्त करने की मांग

पंचायत सचिवों ने स्वामित्व योजना सहित अतिरिक्त कार्यों के बढ़ते बोझ का मुद्दा भी उठाया। संगठन का कहना है कि ग्राम पंचायत सचिवों के ऊपर लगातार अतिरिक्त

स्थायी शिकायत निवारण व्यवस्था की मांग

पंचायत सचिव संगठन ने कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए स्थायी शिकायत निवारण व्यवस्था बनाने की मांग भी की है। संगठन का कहना है कि पंचायत सचिवों को सेवा के दौरान आने वाली समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए एक स्पष्ट एवं प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे कर्मचारियों को अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए बार-बार अलग-अलग स्तरों पर भटकना न पड़े।

ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका

पंचायत सचिवों ने कहा कि ग्राम पंचायतें ग्रामीण विकास की आधारभूत इकाई हैं और पंचायत सचिव शासन की योजनाओं को ग्रामीण जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य, योजनाओं का क्रियान्वयन, पंचायत स्तर की प्रशासनिक प्रक्रिया और हितग्राही मूलक योजनाओं से जुड़े अनेक कार्य पंचायत सचिवों की जिम्मेदारियों में शामिल रहते हैं। संगठन का कहना है कि जब पंचायत सचिवों से लगातार महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ निभाने की अपेक्षा की जाती है, तो उनकी सेवा संबंधी समस्याओं और जायज मांगों पर भी शासन को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

जिम्मेदारियाँ डाली जा रही हैं। इससे पंचायत के मूल कार्यों के साथ-साथ अन्य योजनाओं का कार्यभार भी बढ़ जाता है। पंचायत सचिव संगठन ने शासन से मांग की कि अतिरिक्त कार्यों की समीक्षा की जाए और पंचायत सचिवों को उनके मूल दायित्वों के अनुरूप कार्य करने का अवसर दिया जाए।

सेवा सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा

16 सूत्री मांगों में सेवा सुरक्षा और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी शामिल है। संगठन का कहना है कि पंचायत सचिवों को सेवा के दौरान स्पष्ट और सुरक्षित व्यवस्था मिलनी चाहिए। साथ ही उनके परिवारों की सामाजिक सुरक्षा को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। पंचायत सचिवों ने एनपीएस राशि का तत्काल भुगतान किए जाने की मांग भी रखी है। संगठन के अनुसार यह कर्मचारियों के भविष्य और आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है।

अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों का निराकरण

पंचायत सचिवों ने अनुकंपा नियुक्ति के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने की मांग भी की। संगठन का कहना है कि ऐसे प्रकरण लंबे समय तक लंबित रहने से संबंधित परिवारों को आर्थिक एवं सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए इन मामलों का नियमों के अनुसार शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए। इसके अलावा पंचायत सचिवों ने सीपीसीटी की अनिवार्यता से छूट देने की मांग भी उठाई है। संगठन का कहना है कि सेवा संबंधी प्रबंधनों में व्यावहारिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए उचित निर्णय लिया जाना चाहिए।

राधाष्टमी महोत्सव आज वरदान आश्रम अंजनिया में..

श्रीजी के विग्रह का अभिषेक, षोडशोपचार पूजन और 56 भोग का होगा आयोजन

जगप्रेरणा, अंजनिया। मंडला/ वरदान आश्रम अंजनिया में परंपरागुसार इस वर्ष भी राधाष्टमी महोत्सव हर्षोल्लास और वैदिक विधि-विधान के साथ मनाया जाएगा। आश्रम के संचालक भागवत रसिक पं. राम गोपाल शास्त्री ‘नीलू महाराज’ ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के 15 दिन बाद राधासनी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर आश्रम में विशेष धार्मिक अनुष्ठान और पूजन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। नीलू महाराज ने बताया कि सनातन परंपरा में श्री राधाजी को भगवान श्रीकृष्ण की शक्ति माना गया है। राधा-कृष्ण को एक-दूसरे का आराध्य और आराधक माना जाता है। मान्यता है कि श्रीकृष्ण के साथ राधाजी की पूजा-अर्चना करने से भक्तों को सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

19 सितंबर को मनाया जाएगा पर्व

पंचांग के अनुसार भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि 18 सितंबर को दोपहर 12:06 बजे से शुरू



वरदान आश्रम में राधाष्टमी के अवसर पर प्रातःकाल श्रीजी के विग्रह का विधिवत अभिषेक किया जाएगा। इसके बाद षोडशोपचार पूजन संपन्न होगा। धार्मिक अनुष्ठान के पश्चात भगवान को 56 भोग अर्पित किया जाएगा और श्रद्धालुओं के बीच प्रसादी का वितरण किया जाएगा। नीलू महाराज ने बताया कि राधाजी भगवान श्रीकृष्ण की प्रियतमा हैं और उन्हें श्रीकृष्ण के वक्षस्थल में विराजमान शक्ति के रूप में माना गया है। राधाजी को ‘कृष्णवल्लभ’ भी कहा जाता है, क्योंकि वे भगवान श्रीकृष्ण को आनंद प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि राधा और कृष्ण का संबंध भक्ति, प्रेम और आध्यात्मिक एकत्व का प्रतीक है। आश्रम प्रबंधन ने राधाष्टमी महोत्सव में श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धार्मिक आयोजन का लाभ लेने की अपील की है।

अमर शहीदों ने मातृभूमि के प्रति समर्पण को सर्वोपरि रखा - मंत्री संपतिया उड़के

किला परिसर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह का बलिदान दिवस

जगप्रेरणा, मंडला। अमर शहीद राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह के बलिदान दिवस पर किला परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, छात्र-छात्राओं और नागरिकों ने शहीदों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को नमन किया। इस दौरान परिसर ‘वीर शहीद अमर रहे’ के नारों से गुंज उठा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती संपतिया उड़के ने कहा कि अमर शहीद राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह ने अंग्रेजों की नीतियों के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों की स्मृति सदैव लोगों के मन में जीवित रहती है।

नई पीढ़ी को इतिहास से प्रेरणा देने की जरूरत



उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को अमर शहीदों के जीवन और संघर्ष को समझकर राष्ट्रहित और समाजहित के कार्यों में योगदान देना चाहिए। नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा ने कहा कि वीर शहीदों ने विपरीत परिस्थितियों में भी साहस और वीरता का परिचय दिया। उन्होंने दूरदर्शन के सामने झुकने के बजाय मातृभूमि के सम्मान को प्राथमिकता दी। उनका जीवन आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

पुष्पांजलि अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

कार्यक्रम की शुरुआत राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने शहीदों के योगदान को याद करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। इसके बाद उपस्थितजनों ने शहीदों की स्मृति में सलामी दी।

कार्यक्रम का संचालन अखिलेश उपाध्यक्ष ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग अरुण शुक्ला ने किया। इस अवसर पर टिकरवारा सरपंच श्रद्धा उर्दके कवरेती, सामाजिक कार्यकर्ता जयदत्त झा, पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शाश्वत सिंह मीना, एडीएम हुनेन्द्र घोरमारे, एसडीएम मंडला शैलेन्द्र चौहान सहित बड़ी संख्या में नागरिक, छात्र-छात्राएँ एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान ‘वीर शहीद अमर रहें’ के नारों के साथ अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया गया।

एसडीएम के विरोध में सड़क पर उतरे पटवारी, कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

जगप्रेरणा मंडला। शुरुवार को एसडीएम मंडला के विरोध में जिलेभर के पटवारी सड़क पर उतर आए। मध्यप्रदेश पटवारी संघ के नेतृत्व में पटवारियों ने नारेबाजी करते हुए कलेक्टर पहुंचकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। पटवारियों ने एसडीएम शैलेन्द्र चौधरी पर कथित रूप से दुर्व्यवहार करने, अनावश्यक दबाव बनाने, सार्वजनिक रूप से अपमानित करने और मानसिक प्रताड़ना देने के आरोप लगाए हैं।

पटवारी संघ के जिला अध्यक्ष गीतेन्द्र ‘गीतू’ बैरागी सहित अन्य पटवारियों ने ज्ञापन के माध्यम से संबंधित कार्यवाही पर पुनर्विचार करने और पटवारियों की समस्याओं का निराकरण कराने की मांग की। संघ ने बताया कि प्रांतीय आह्वान के तहत पटवारी स्वामित्व योजना से संबंधित कार्यों से पृथक हैं। इसकी सूचना जिला कार्यालय और तहसील स्तर पर अलग-अलग ज्ञापनों के माध्यम से पहले ही दी जा



चुकी है। इसके बावजूद पटवारियों पर कार्य करने के लिए अनावश्यक दबाव बनाए जाने का आरोप लगाया गया है।

पटवारी से मोबाइल और आईडी-पासवर्ड लेने का आरोप

ज्ञापन में 17 सितंबर को ग्राम पंचायत कार्यालय जंतीपुर में हुई घटना का भी उल्लेख किया गया है। संघ के अनुसार, यहां पटवारी दिनेश तिवारी पर कथित रूप से कार्य करने के लिए दबाव बनाया गया।



21 से 23 सितंबर तक सामूहिक अवकाश

पटवारी संघ ने प्रशासन को आंदोलन की चेतावनी भी दी है। संघ के अनुसार, यदि ज्ञापन में उठाए गए मुद्दों पर जिला प्रशासन ने तत्काल संज्ञान नहीं लिया तो मंडला तहसील के पटवारी शासकीय कार्य का बहिष्कार करेंगे। इसके तहत 21 सितंबर से 23 सितंबर तक तीन दिवसीय सामूहिक अवकाश पर जाने का निर्णय लिया गया है। इसके बाद भी मांगों का निराकरण नहीं होने पर पटवारियों ने कलम बंद हड़ताल करने की चेतावनी दी है। पटवारियों ने जिला प्रशासन से पूरे मामले में निष्पक्षता से विचार करते हुए उनकी समस्याओं का शीघ्र निराकरण कराने की मांग की है।

आरोप है कि उनका मोबाइल ले लिया गया और आईडी-पासवर्ड लेकर कार्य करने के लिए दबाव

डाला गया। पटवारी संघ ने बताया कि दिनेश तिवारी हृदय रोग एवं ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं और घटना के

बाद भयभीत एवं मानसिक रूप से परेशान हैं। संघ ने इस प्रकार के व्यवहार की पुनरावृत्ति नहीं होने की मांग की है।

निलंबित पटवारी का मामला भी उठाया

ज्ञापन में ग्राम आमनाला के पटवारी शशिकांत चौबे के निलंबन का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। संघ का कहना है कि फार्मर आईडी और स्वामित्व योजना के कार्यों का हवाला देते हुए उन्हें निलंबित किया गया है। संघ के अनुसार शशिकांत चौबे की फार्मर आईडी में प्रगति 41.87 प्रतिशत है, जबकि जिले में कई अन्य पटवारियों की फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति इससे कम बताई गई है। ऐसे में केवल शशिकांत चौबे के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने से पटवारियों में असंतोष है। पटवारी संघ ने यह भी कहा कि सेवा निवृत्ति के करीब पहुंचे पटवारी को कारण बताओ सूचना पत्र दिए बिना सीधे निलंबित करना उचित प्रक्रिया नहीं है। संघ ने निलंबन आदेश निरस्त करने की मांग की है।

मंडला में 23 सितंबर को मनेगा 11वां आयुर्वेद दिवस

जगप्रेरणा मंडला। मंडला में 23 सितंबर को 11वां आयुर्वेद दिवस मनाया जाएगा। जिला आयुष अधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार आयुष मंत्रालय भारत सरकार एवं संचालनालय आयुष मंत्र भोपाल के निर्देश पर जिले में आयुर्वेद दिवस के आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं। इस वर्ष आयुर्वेद दिवस की थीम ‘स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद’ रखी गई है।

आम सूचना

मेरी आरा मशीन तहसील नैनपुर, जिला मंडला में है जो मेरे पिता स्वर्गीय श्री सुरजीत सिंह छाबड़ा के नाम था। उनके स्वर्गवास के कारण मेरे नाम नरेंद्र सिंह छाबड़ा, बालाघाट पर ट्रांसफर किया जा रहा है। किसी को आपत्ति हो तो 15 दिन में डीएफओ मंडला को सूचित करें।

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा

ग्रामीण

11

शनिवार 19 सितंबर 2026

गोंदिया भंडारा

● तिरौड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखौंदूर

विज्ञापन

आमंत्रित है..

संपर्क - मो. 9329033433

आमगांव शहर की मुख्य सड़कों पर अतिक्रमण का शिकंजा..

‘व्यवसाय करें, लेकिन अतिक्रमण की हद न लांघें’, प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग..

जगप्रेरणा आमगांव। शहर की प्रमुख सड़कों के दोनों ओर लगातार बढ़ते अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था के साथ ही पैदल चलने वाले नागरिकों की सुरक्षा का सवाल भी गंभीर होता जा रहा है।

के सामने बने पैदल मार्ग, सड़क किनारे की खुली जगह तथा सार्वजनिक उपयोग की जगहों पर व्यवसायियों द्वारा विभिन्न सामान, बोर्ड, वाहन एवं अन्य सामग्री रखे जाने से नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नागरिकों का कहना है कि व्यवसाय करना सभी का अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक जगह पर कब्जा कर अतिक्रमण की हद पार नहीं की जानी चाहिए।

आमगांव शहर के मुख्य मार्गों पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में नागरिकों और वाहनों की आवाजाही होती है। मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान हैं। कई स्थानों पर दुकानों की निर्धारित सीमा समाप्त होने के बाद की सार्वजनिक जगह का भी व्यावसायिक उपयोग किए जाने का दृश्य दिखाई देता है। दुकानों के सामने दोपहिया वाहन, वाहनों से संबंधित सामग्री, टायर, विज्ञापन बोर्ड, स्टॉल तथा अन्य सामान रखे जाने से पैदल चलने के लिए उपलब्ध जगह लगातार कम होती जा रही है।

पैदल मार्ग आखिर किसके लिए?

शहर के प्रमुख मार्गों पर पैदल यात्रियों के लिए निर्धारित जगह सुरक्षित और खुली रहना आवश्यक है। लेकिन कई स्थानों पर इन जगहों



का उपयोग दुकानों का सामान रखने अथवा वाहनों की पार्किंग के लिए किया जा रहा है। परिणामस्वरूप जिन नागरिकों के लिए पैदल मार्ग बनाए गए हैं, उन्हें ही इसका उपयोग करने में परेशानी हो रही है।

पैदल मार्ग अवरुद्ध होने के कारण नागरिकों को मुख्य सड़क पर चलना पड़ता है। विशेष रूप से महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, विद्यार्थियों और छोटे बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। व्यस्त समय में वाहनों की आवाजाही और सड़क पर पैदल चलने वाले नागरिकों के कारण दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

दुकान के सामने की जगह निजी संपत्ति नहीं..

दुकान के सामने उपलब्ध सार्वजनिक जगह का व्यावसायिक उपयोग करने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। प्रशासन को इस ओर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है। दुकान के सामने जगह उपलब्ध होने का अर्थ यह नहीं कि उसका पूरा उपयोग व्यवसाय के लिए किया जा सकता है। सार्वजनिक सड़क, पैदल मार्ग और अन्य सार्वजनिक स्थान सभी नागरिकों के लिए होते हैं। व्यवसायियों को व्यवसाय करने का अधिकार है, लेकिन अन्य नागरिकों के उपयोग की सार्वजनिक जगह पर अतिक्रमण कर व्यवसाय का विस्तार करना उचित नहीं माना जा सकता। इसलिए व्यवसायियों को भी सामाजिक जिम्मेदारी समझते हुए अतिक्रमण

पैदल मार्ग व्यवसायियों के कब्जे में, नागरिकों को सड़क पर चलने की मजबूरी..



की सीमा नहीं लांघनी चाहिए, ऐसी अपेक्षा नागरिकों ने व्यक्त की है।

कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित न रहे..

शहर में अतिक्रमण की समस्या नई नहीं है। समय-समय पर अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई जाती है, लेकिन कुछ दिनों बाद फिर उसी स्थान पर स्थिति पहले जैसी होने की शिकायत नागरिकों द्वारा की जाती है। इसलिए केवल दिखावटी कार्रवाई के बजाय प्रमुख सड़कों का सर्वेक्षण, अतिक्रमण की निश्चित सीमा तय करने और उसके बाद लगातार कार्रवाई करने की आवश्यकता है। प्रशासन द्वारा पहले शहर के प्रमुख मार्गों और पैदल मार्गों का निरीक्षण कर अतिक्रमण वाले स्थानों की पहचान की जानी चाहिए। संबंधित व्यवसायियों को नियमानुसार सूचना देकर सार्वजनिक जगह खाली करने का अवसर दिया जाए। इसके बावजूद अतिक्रमण कायम रहने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए, ऐसी मांग नागरिकों द्वारा की जा रही है।

अतिक्रमण से शहर की सुंदरता भी प्रभावित..

अतिक्रमण का असर केवल यातायात पर ही नहीं, बल्कि शहर की सुंदरता पर भी पड़ रहा है। दुकानों के बड़े-बड़े विज्ञापन बोर्ड, सड़क किनारे रखा सामान, अव्यवस्थित पार्किंग तथा

अनधिकृत रूप से बढ़ाई गई दुकानों की सीमा के कारण मुख्य बाजार क्षेत्र का स्वरूप प्रभावित हो रहा है। शहर के नियोजनबद्ध विकास के लिए सार्वजनिक जगहों को खुला रखना आवश्यक है।

नागरिकों का सवाल—व्या नियम सभी के लिए समान हैं?

सामान्य नागरिक द्वारा सार्वजनिक जगह का दुरुपयोग किए जाने पर प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जाती है। ऐसे में व्यवसायियों द्वारा लगातार सार्वजनिक जगह का उपयोग किए जाने के बावजूद कार्रवाई क्यों नहीं की जाती, ऐसा सवाल नागरिकों द्वारा उठाया जा रहा है। यदि नियम सभी के लिए समान हैं तो अतिक्रमण के मामले में भी उनकी समान रूप से और प्रभावी ढंग से अमल किया जाना चाहिए, ऐसी मांग की जा रही है। आमगांव शहर के प्रमुख मार्गों, चौक और बाजार क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त कर पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। वहीं, व्यवसायियों को भी प्रशासन की कार्रवाई का इंतजार किए बिना स्वयं सार्वजनिक जगह खाली रखनी चाहिए। व्यवसाय का विस्तार जरूरी है, लेकिन उसकी कीमत आम नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा से नहीं चुकाई जानी चाहिए, ऐसी अपेक्षा नागरिकों ने व्यक्त की है।

‘अतिक्रमण की अति रोकें’ – राजेश मधुकर शिवणकर..

व्यवसायियों को दुकान की निर्धारित सीमा से बाहर सामान, विज्ञापन बोर्ड और वाहन नहीं रखने चाहिए। पैदल मार्ग नागरिकों के लिए खुला रखा जाना चाहिए। प्रशासन को भी शहर के प्रमुख मार्गों का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने की नियमित मुहिम चलानी चाहिए। सार्वजनिक जगह सभी की है, उस पर किसी का भी अनधिकृत कब्जा नहीं होना चाहिए। ऐसा मत राजेश मधुकर शिवणकर ने व्यक्त किया।

गोंदिया जिले की बेटी ने दक्षिण कोरिया में रचा गौरवशाली इतिहास

वर्ल्ड ताइक्वांडो पूमसे चैंपियनशिप में कांस्य पदक की कमाई, भारत का मान बढ़ाया..

जगप्रेरणा प्रा राकेश रोकडे सालेकसा।

सालेकसा तहसील के ग्राम खेडेपार, जिला गोंदिया की प्रतिभावान बेटी कु. विद्या येशूलाल नागपुरे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर



मेहनत, जिद और लगन की प्रेरणादायी कहानी..

2004 में जन्मी विद्या येशूलाल नागपुरे ने निरंतर मेहनत, जिद, अनुशासन और समर्पण के बल पर यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उनके इस शानदार प्रदर्शन से माता छमिताबाई, पिता येशूलाल, भाई नितिन और दादी सावनाबाई सहित पूरे नागपुरे परिवार में खुशी का माहौल है।

गांव के एक सामान्य परिवार की बेटी से लेकर अंतरराष्ट्रीय खेल मंच तक पहुंचने तक का विद्या का यह सफर क्षेत्र की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी बन गया है। प्रतिभा, मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है, यह विद्या ने अपनी उपलब्धि से साबित कर दिखाया है।

विद्या की इस शानदार सफलता पर खेडेपार के सरपंच महेश लिलहारे, आलोक महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्रकुमार लिलहारे, आलोक महाराष्ट्र प्रदेश मीडिया प्रभारी राजकुमार बत्रे, तोषलाल लिलहारे, सालेकसा सहित गोंदिया जिले के नागरिकों एवं समाजबंधुओं ने उनका हार्दिक अभिनंदन करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

‘गांव की बेटी ने अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर फहराया तिरंगा; विद्या की सफलता से गोंदिया जिले का गौरव बढ़ा।’

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

बंद मकान से अज्ञात चोर ने उड़ाये गहने मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले के गंगाझरी पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 10/9/2026 से 17/ 9/ 2026 के दरम्यान अज्ञात चोर ने एकोडी मे फर्यादी स्वप्नील रामगोपाल असाठी उम्र 37 वर्ष निवासी एकोडी के मकान से घटना तारीख के दरम्यान अज्ञात चोर ने 5 ग्राम सोने की अंगुठी, 6 ग्राम सोने की अंगुठी, और एक सोने की 6 ग्राम अंगुठी अज्ञात चोर ने चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे गंगाझरी मे अपराध क्रमांक 465/ 2026 धारा 305, अ, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा राकेश भुरे 1427 पोस्टे गंगाझरी कर रहे है।

वनीकरण ऑफिस के बाजु से मोटर सायकल चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले के आमगांव पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 15/9/2026 के दोपहर 3 बजे के दरम्यान रिसामा मे फर्यादी रघुनाथ किशन पागोटे उम्र 54 वर्ष निवासी रिसामा मे फर्यादी होंडा शार्इन किमत 50 हजार की वनीकरण ऑफिस के बाजु मे रखी थी। घटना के समय अज्ञात चोर ने चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे आमगांव मे अपराध क्रमांक 605/2026 धारा 303,2, बि एन एस 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा उईके 795 पोस्टे आमगांव कर रहे है।

लोहे के पोल से तार और इन्सुलेटर चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले के अर्जुनी मोर पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 15/9/2026 के रात कोरभीटोला मे फर्यादी विवेक लिलाराम काशिवार उम्र 30 वर्ष के कर्मचारी ने लोहे के पोल पर तार और इन्सुलेटर लगाये थे। दूसरे दिन कर्मचारी ने फर्मादी को बताया की चोरी हुई है। जब घटनास्थल पर जाकर देखे तो अज्ञात चोर ने 1 किलोमीटर तार और इन्सुलेटर पिन कुल 1 लाख 5 हजार रुपये का माल चोरी होने से दिये शिकायत पर पोस्टे अर्जुनी मोर मे अपराध क्रमांक 418/2026 धारा 303,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा प्रणय हर्षे 217 पोस्टे अर्जुनी मोर कर रहे है।

बंद मकान से अज्ञात चोर ने उड़ाये नगदी और गहने मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया। गोंदिया जिले के रामनगर पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 16/9/2026 के रात शांदा चौक कुडवा मे फर्यादी युगलकिशोर रूपचंद ठाकरे उम्र 49 वर्ष निवासी कुडवा घटना के दिन अपनी बहन के यहा गये थे। उसी दिन रात मे अज्ञात चोर ने मकान का ताला तोडकर मकान मे प्रवेश कर आलमारी मे रखे 15 हजार नगदी, सोने के झुमके 3 ग्राम, सोने का हार 5 ग्राम चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे रामनगर मे अपराध क्रमांक 511/2026 धारा 303,2, बी एन एस 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाँच पोहवा पाचे 384 पोस्टे रामनगर कर रहे है।

जनहित के कार्य कर कांग्रेस संगठन को मजबूत करें - अमर वराड़े..

आमगांव में कांग्रेस कार्यकर्ता बैठक, मतदाता सूची के एसआईआर कार्य को लेकर भी मार्गदर्शन..



जगप्रेरणा आमगांव। कांग्रेस पार्टी ने पिछले 70 वर्षों के दौरान जनहित को प्राथमिकता देते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आम नागरिकों की समस्याओं को लेकर कार्य करते हुए पार्टी की विचारधारा को जमीनी

स्तर तक पहुंचाने का काम कार्यकर्ताओं को करना चाहिए। जनहित के कार्यों के माध्यम से कांग्रेस संगठन को और मजबूत करें, ऐसा आह्वान गोंदिया जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमर वराड़े ने किया। आमगांव तहसील कांग्रेस कमेटी की ओर से आयोजित कार्यकर्ता बैठक में वे बोल रहे थे। कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए वराड़े ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की विचारधारा के अनुसार कांग्रेस आम जनता की पार्टी है। समाज के दबे-कुचले, वंचित, शोषित और पीड़ित वर्गों को मुख्यधारा में लाकर उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करना कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी घर-घर जाकर नागरिकों से संपर्क स्थापित किया जाए तथा कांग्रेस की भूमिका और विचारधारा को लोगों तक पहुंचाया जाए। इससे संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने में मदद मिलेगी।

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन..

इस अवसर पर एड. दुष्यंत किरसान ने मतदाता सूची के लिए चल रही एसआईआर प्रक्रिया के संबंध में कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य को प्राथमिकता देते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से न छूटे। बैठक में कांग्रेस प्रदेश सचिव पी. जे. कटरे, जिला परिषद सदस्य श्रीमती काले, मेंडे, उके तथा संपतलाल सोनी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मंच पर गोंदिया जिला कांग्रेस के सचिव इशुलाल भालेकर, जिला पर्यावरण विभाग के अध्यक्ष बाबा मिश्रा, तहसील कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय बहेकार तथा जिला महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष श्रीमती प्रभादेवी उपराड़े उपस्थित थीं। इस अवसर पर कांग्रेस नेता बाबू मेंडे, राजू काडे, देवकांत बहेकार, अभय ढोंगे, पिकेश शेंडे, बब्वू बिसेन, पिवराज कटरे, सुनंदा येरणे, गोपाल पाउलझाड़े, जिला किसान कांग्रेस की महिला अध्यक्ष श्रीमती संधिमित्रा संजय डोंगरे, महेश उके, तहसील किसान कांग्रेस अध्यक्ष कौशल हरिणखेडे, गणेश हुकरे, कुणाल शेंडे, दिगंबर कोरे, रवी रहगंडाले, योगेश कोरे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जगदीश चुटे ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन पिकेश शेंडे ने किया।

जगप्रेरणा फोटो कैप्शन

महाराष्ट्र राज्य क्रीडा विभाग की ओर से शालेय क्रीडा स्पर्धा का आयोजन इस समय प्रत्येक तहसील में चल रहा है। सालेकसा क्रीडा संकुल मे चल रहे कबड्डी स्पर्धा में यह दृश्य अपने कैमरे मे कैद किया।

जग प्रेरणा प्रा राकेश रोकडे।

21 सितंबर की विशेष आमसभा रद्द करने के जिला उपनिबंधक के निर्देश

सभा की नोटिस में कानूनी एवं नियमबाह्य त्रुटियां, भविष्य में न्यायालयीन विवाद की आशंका..

जगप्रेरणा आमगांव। गोंदिया जिला देखरेख सहकारी संस्था मर्यादित की 21 सितंबर 2026 को आयोजित की जाने वाली विशेष सर्वसाधारण सभा को रद्द करने के निर्देश जिला उपनिबंधक, सहकारी संस्था, गोंदिया ने दिए हैं। संस्था द्वारा जारी विशेष सर्वसाधारण सभा की नोटिस में महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम 1960 तथा संस्था के उपविधियों से संबंधित विभिन्न त्रुटियां पाए जाने के बाद यह निर्देश जारी किया गया है।

जिला उपनिबंधक योगेशकुमार बाकरे ने संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को पत्र भेजकर 21 सितंबर को आयोजित सभा को तत्काल रद्द करने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। पत्र की प्रतिलिपि संस्था के अध्यक्ष तथा गोंदिया जिला मध्यवर्ती सहकारी बैंक मर्यादित, गोंदिया को भी जानकारी एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है।

नोटिस में मिलीं विभिन्न त्रुटियां..

जिला उपनिबंधक कार्यालय के पत्र के अनुसार, विशेष सर्वसाधारण सभा की नोटिस में महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम 1960 की धारा 76 (1) तथा संस्था के उपविधि क्रमांक 13 के प्रावधानों का पालन दिखाई नहीं देता। संबंधित प्रावधान के अनुसार, एक-पांचवां सदस्य या 25 सदस्यों में से जो संख्या कम हो, उनसे सदस्यों द्वारा लिखित मांग किए जाने अथवा निबंधक के निर्देश के अनुसार विशेष सर्वसाधारण सभा आयोजित करने का प्रावधान है।

इसी प्रकार उपविधि क्रमांक 14 के अनुसार सर्वसाधारण सभा के अध्यक्ष ही सभा की अध्यक्षता करेंगे तथा उनकी अनुपस्थिति में उपस्थित सदस्यों में से अध्यक्ष का चयन करने का प्रावधान है। हालांकि, इस संबंध में नोटिस में उचित प्रावधान शामिल नहीं किए जाने की

बात सामने आई है। इसके अलावा महाराष्ट्र सहकारी संस्था अधिनियम 1960 की धारा 73 (ब) एवं 73 (क) से संबंधित आवश्यक संशोधन भी नोटिस में प्रस्तावित नहीं किए जाने का उल्लेख जिला उपनिबंधक के पत्र में किया गया है।

आदर्श उपविधि का मुद्दा भी सामने

जिला देखरेख सहकारी संस्था के लिए आदर्श उपविधि अभी तक सहकार आयुक्त की वेबसाइट पर जारी नहीं किए जाने की बात भी पत्र में सामने आई है। इसके चलते संस्था की सभा की नोटिस में किए गए प्रावधान और मौजूदा कानूनी व्यवस्था के बीच सामंजस्य का प्रश्न उपस्थित हुआ है।

भविष्य में न्यायालयीन विवाद की आशंका

सभा की नोटिस में कानूनी एवं नियम संबंधी त्रुटियां होने के कारण भविष्य में सभा की कार्यवाही को लेकर कानूनी विवाद अथवा न्यायालयीन प्रकरण उत्पन्न होने की आशंका जिला उपनिबंधक द्वारा व्यक्त की गई है। संभावित विवाद से बचने के लिए 21 सितंबर 2026 को आयोजित विशेष सर्वसाधारण सभा को रद्द करने के निर्देश दिए गए हैं।

सहकार नेता प्रा. सुभाष आकरे की शिकायत की भी दखल

विशेष रूप से आयोजित इस सभा में विभिन्न मुद्दों तथा सभासदों के विषयों को कथित रूप से नजरअंदाज किए जाने और सभा की नोटिस में त्रुटियां होने के संबंध में सहकार नेता प्रा. सुभाष आकरे ने जिला उपनिबंधक, सहकारी संस्था, गोंदिया को विधिवत पत्र देकर मामले में दखल देने की मांग की थी। इसके बाद जिला उपनिबंधक कार्यालय द्वारा मामले की दखल लेते हुए सभा रद्द करने के निर्देश जारी किए गए हैं। जिला उपनिबंधक के निर्देश के बाद अब संस्था की आगामी कार्यवाही किस प्रकार होती है, इस पर सभासदों की नजर बनी हुई है।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताइपत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता

रमनकुमार मेठी हैंडलूम हाऊस

मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 9890696200

+ CMK

अंकुर टेस्ट टयुब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण

उपलब्ध सुविधाएँ:

- टेस्ट टयुब बेबी (IVF ET)
- इक्वी टेस्ट टयुब बेबी (ICS)
- (IUI) आर.यू.आर.
- अधिक उम्र में मातृत्व
- ओवरन डोनेशन द्वारा
- बंद फॉलोपियन टयुब खोलना
- पुरुष बंधत्व निदान व उपचार
- शुक्राणु बैंक सुविधा
- सोनीग्राफी
- हागोस की जांच
- हागोस की गड़बड़ी की ईलाज
- बंद फॉलोपियन टयुब खोलना
- डूरबीन द्वारा ऑपरेशन

डॉ. संजीव चिटणवीस
अस्थि रोग विशेषज्ञ

डॉ. सो. प्रणिता चिटणवीस
प्रसूति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ

एक्सीडेंट हॉस्पिटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

12 शनिवार 19 सितम्बर 2026

जग प्रेरणा

live गोंदिया भंडारा

● आमगांव ● गोरेगांव ● सड़क अर्जुनी ● देवरी ● सालेकसा ● अर्जुनी मोरगांव ● तिरोड़ा ● लाखांदुर ● साकोली

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव

1 महावीर कॉम्प्लेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टैंड के पास

2. अश्वट विनारयक अपार्टमेंट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..

संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

पट्टे से लेकर जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र तक की सभी सेवाएं प्रदान करने सेवा संकल्प अभियान के तहत 15 अक्टूबर को गोंदिया में महाशिविर का आयोजन..

सांसद राजेन्द्र जैन,
विधायक विनोद अग्रवाल ने
दिए अत्यधिक लाभार्थियों
को योजनाओं का लाभ देने
के निर्देश

जगप्रेरणा गोंदिया।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में महाराष्ट्र में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत अब शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र नागरिकों तक सीधे पहुंचाने की कवायद तेज हो गई है। इसी उद्देश्य से गोंदिया विधानसभा

क्षेत्र में 18 सितंबर को उपविभागीय अधिकारी कार्यालय में समीक्षा बैठक आयोजित कर विभिन्न विभागों को लाभार्थियों को चिन्हित करने, लंबित प्रकरणों का निराकरण करने और योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए।
बैठक में सांसद राजेंद्र जैन, विधायक विनोद अग्रवाल, एसडीओ चंद्रभान खंडाड़त, तहसीलदार शमशेर पठान, अपर तहसीलदार श्रीकांत कांबले, पंचायत समिति सभापति मुनेश रांगडावले, कुडबास सभापति चेतन बहेकार, जिला श्रृंखला चिकित्सक पुरुषोत्तम पटले, चेतालीसिंह नागपुरे, छत्रपाल तुरकर, केतन तुरकर सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी एवं ग्रामीण अंचल के प्रमुख नागरिक उपस्थित रहे।

समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया गया कि अभियान के तहत आवेदन एवं दस्तावेजों में हुई त्रुटियों को दूर करने के साथ ही सभी विभागों के तहत योजनाओं के लिए लाभार्थियों का लक्ष्य निर्धारित करने और निर्धारित अवधि में अधिकतम पात्र नागरिकों को लाभान्वित किया जायेगा। अभियान के तहत गोंदिया विधानसभा



सेवा के साथ जन भागीदारी पर भी जोर..

'सेवा संकल्प अभियान' के तहत रकतदान शिविर, स्वास्थ्य जांच, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त अभियान, जलसंधारण, कचरा वर्गीकरण, सड़क सुरक्षा, महिलाओं के स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी जागरूकता तथा डिजिटल साक्षरता जैसे उपक्रम शामिल हैं। स्थानीय निकायों को शिक्षा एवं करियर मार्गदर्शन, मतदाता जागरूकता तथा 'वोकल फॉर लोकल' जैसे कार्यक्रम भी आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से 'आंगनवाड़ी उत्सव' के माध्यम से महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य

क्षेत्र में किसानों सहित आम नागरिकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन के पट्टे, फेरफार नोट, 7/12 एवं 8-अ अभिलेखों को अद्यतन करना, स्वामित्व सनद, दिव्यांग प्रमाणपत्र, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र, विवाह पंजीयन, संपत्ति हस्तांतरण, नॉन-क्रिमिलेयर प्रमाणपत्र, शिधापत्रिका संबंधी सेवाएं, आधार से जुड़ी सेवाएं, वनहक्क दावे, नल एवं बिजली कनेक्शन तथा वरिष्ठ नागरिक प्रमाणपत्र जैसी सेवाओं को अभियान से जोड़ने की व्यवस्था की जा रही है। महाराष्ट्र सरकार की अभियान संबंधी रूपरेखा में इन सेवाओं को 'सेवा सेतु' शिविरों के माध्यम से उपलब्ध कराने का उल्लेख है। इसके अलावा किसानों से संबंधित अभिलेख एवं योजनाओं के प्रकरणों का निराकरण, पात्र लाभार्थियों को शासकीय योजनाओं से जोड़ना तथा आवेदन प्रक्रिया में आने वाली अड़चनों को दूर करना भी अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी होगी।

और पोषण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। महिलाओं की स्वास्थ्य जांच, स्वयं सहायता समूहों से जोड़ना, बाल संरक्षण संबंधी जागरूकता तथा किशोरियों के स्वास्थ्य एवं एनीमिया जैसे विषयों पर जनजागरूकता कार्यक्रम अभियान का हिस्सा होंगे। अभियान के व्यापक कार्यक्रमों में 'सेवा सेतु', 'सेवा मेरा योगदान', 'आशीर्वाद का दिया', रकतदान शिविर तथा अन्य सेवा एवं जनजागरूकता गतिविधियां भी शामिल हैं। 'सेवा सेतु' के माध्यम से प्रशासन और नागरिकों के बीच की दूरी कम करते हुए स्थानीय स्तर पर सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर है।

15 अक्टूबर को होगा महाशिविर..

गोंदिया में हुई समीक्षा बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय 15 अक्टूबर को महाशिविर आयोजित करने का रहा। इस महाशिविर में अभियान के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा चिन्हित किए गए पात्र लाभार्थियों को एक ही स्थान पर शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने की व्यवस्था की जाएगी। विभागावार लक्ष्य निर्धारित कर लाभार्थियों को चिन्हित करने तथा उनके प्रकरणों को महाशिविर से पहले तैयार करने की दिशा में अधिकारियों को काम करने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान का मूल उद्देश्य शासन की योजनाओं को कागजों और कार्यालयों तक सीमित रखने के बजाय पात्र लाभार्थी तक वास्तविक लाभ पहुंचाना है। गोंदिया में हुई समीक्षा बैठक के बाद अब विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी तय हो गई है। ऐसे में 15 अक्टूबर का महाशिविर इस अभियान के तहत गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में जनसेवा का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है।

श्री नवज्योत फाउंडेशन द्वारा लगाए गए 120 साइकिलों पर रिपलेक्टर..

जगप्रेरणा गोंदिया।
सड़क सुरक्षा के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने और साइकिल चालकों को रात्रि के समय सुरक्षित आवागमन के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से श्री नवज्योत फाउंडेशन की ओर से साइकिल सुरक्षा अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान टी-पॉइंट, गोंदिया में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।
अभियान के दौरान शहर में आवागमन करने वाले 120 साइकिलों पर रिपलेक्टर लगाए गए। रात्रि के समय साइकिल चालकों को अन्य वाहन चालकों द्वारा आसानी से देखा जा सके, इसी उद्देश्य से साइकिलों के पीछे रिपलेक्टर लगाए गए। फाउंडेशन की ओर से बताया गया कि साइकिल चालकों की सुरक्षा के लिए छोटे-छोटे सुरक्षा उपाय भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस सामाजिक एवं जनजागरूकता अभियान में गोंदिया का चिंतामणी के कार्यकर्ताओं ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यकर्ताओं ने साइकिल चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, रात के समय सावधानीपूर्वक साइकिल

चलाने तथा अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। श्री नवज्योत फाउंडेशन द्वारा सामाजिक सेवा, जन जागरूकता, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं नागरिक सुरक्षा से जुड़े विभिन्न उपक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। इसी श्रृंखला में आयोजित यह अभियान भी समाज में सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना मजबूत करने की दिशा में एक प्रयास रहा। फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। साइकिल चालक, दोपहिया एवं चारपहिया वाहन चालक सभी यदि यातायात नियमों का पालन करें और एक-दूसरे की सुरक्षा का ध्यान रखें, तो सड़क



दुर्घटनाओं को कम करने में मदद मिल सकती इस अवसर पर श्री नवज्योत फाउंडेशन एवं गोंदिया का चिंतामणी के कार्यकर्ताओं ने अभियान को सफल बनाने में सहयोग दिया। अभियान के माध्यम से शहरवासियों को सुरक्षा पहले, सपर बाद में का संदेश दिया गया।

नया सोचो आयुर्वेद सोचो...

सुश्रुत प्रोक्टो आयुर्वेद

मुख्याध्य (ववासीर), फ़िरार भगंदर व अन्य गुगुरांग चिकित्सा व आयुर्वेद पंचकर्म केन्द्र

- कमर का दर्द
- घुटनों का दर्द
- पित्त का दर्द
- गर्दन व कंधों का दर्द
- आमवात, गतीया वात एवं सायटिका

● अत्याधुनिक सुविधा युक्त पंचकर्म चिकित्सा कक्ष

● शास्त्राुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त खनिमीत औषधियों का प्रयोग

● रोगी एवं बांधी अनुकूल पंचकर्म सुविधा

डॉ. अपर्णा खोब्रागडे
B.A.M.S., M.D. (Nashik)
आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सक
7620340356

साकेत पब्लिक स्कूल रोड, गणेश नगर, गोंदिया 07182-796738

गोंदिया जिला व्यापारी एसोसिएशन ने यूपीआई के नए प्रावधान को निरस्त करने सौपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के समस्त व्यापारियों एवं नागरिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए गोंदिया जिला व्यापारी चरिटेबल एसोसिएशन गोंदिया ने भारत सरकार के यूपीआई लेन-देन पर प्रस्तावित 0.4 % MDR (Merchant Discount Rate) शुल्क लागू करने के निर्णय और इससे स्थानीय, सूक्ष्म एवं लघु व्यापारियों पर पड़ने वाले दुष्परिणामों को

रोकने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं वित्तमंत्री सीतारामन के नाम उप जिलाधिकारी भैयालाल बेहरे के माध्यम से निवेदन पत्र प्रेषित किया है। ज्ञापन में गोंदिया जिला व्यापारी एसोसिएशन ने उल्लेखित किया है कि वर्तमान में बेहद सीमित लाभ पर कार्य कर रहे छोटे एवं मध्यम व्यापारियों के लिए 0.4 प्रतिशत का शुल्क व्यापार को प्रभावित करेगा और लागत में वृद्धि करेगा। इस शुल्क के कारण व्यापारी एवं ग्राहक पुनः नकद लेन-देन की ओर प्रवृत्त होंगे, जिससे सरकार के 'डिजिटल इंडिया' व 'कैशलेस इकोनॉमी' के संकल्प को भी क्षति पहुंचेगी।

इसी प्रकार एमडीआर शुल्क के कारण दैनिक वस्तुओं एवं सेवाओं के दाम बढ़ सकते हैं,



प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री के नाम सौपा उपजिलाधिकारी भैयालाल बेहरे को ज्ञापन..

बोले संजय जैन..

गोंदिया जिला व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय जैन (लाडली) ने बताया कि उन्होंने अपने संगठन के माध्यम से महाराष्ट्र

जिससे आम जनता पर महंगाई का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। इन बातक परिणामों से भारत के समस्त व्यापारियों तथा जनता को बचाने के उद्देश्य से गोंदिया जिला व्यापारी एसोसिएशन ने सरकारात्मक पहल करते हुए, प्रधानमंत्री एवं वित्त मंत्री ये किये जा रहे बदलाव को रोकने की मांग की है, तथा वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप ही यूपीआई के लेन देन को यथावत रखने की मांग की है।

चैम्बर ऑफ कामर्स इंडस्ट्रीज एंड एंजीकल्चर को भी इस निवेदन की प्रतिलिपि प्रेषित करते हुए उनसे उच्च स्तर पर इस नुकसानदायक प्रावधान को निरस्त करवाने की पहल करने का आग्रह किया है।
यह रहे उपस्थित..

ज्ञापन देने के दौरान प्रमुख रूप से संस्था अध्यक्ष संजय जैन (लाडली) के साथ ही राजेश्वर कर्नोजिया, राजा इसरका, महेंद्र खंडेलवाल, सुसेनजीत सहा (नंदू), रवि लधानी, विजय जोशी, बलबीरसिंग सलूजा, अरुणेश मेहता, आनंद अग्रवाल, वीरेंद्र सिंग नागभरे, सौरभ जैन, नरेंद्र चांदवानी, महेश आहूजा, मनोज पटनायक, संकेत राहंगडाले, अमन मेमन, संकेत जैन, आशीष जगवानी, दिनेश कर्नोजिया, जफरभाई, हरभाऊ मोटवानी, सुशील अग्रवाल, महेश असवानी, अशोक जयसिंधानी, हर्ष अग्रवाल, प्रकाश शर्मा सहित बड़ी संख्या में व्यापारीगण उपस्थित थे।

भक्तों का प्यार, आशीर्वाद और मां की कृपा ही मेरी शक्ति है - मांढर वाली माता

गोंदिया में मां संतोषी, मां वैभव लक्ष्मी धाम मांढर की पूज्य माता जी का 38 वां अवतरण दिवस हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न..

जगप्रेरणा गोंदिया।

मां संतोषी मां वैभव लक्ष्मी धाम, मांढर की पूजनीय माता जी का 38वां अवतरण दिवस गोंदिया शहर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और माता जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। जन्मोत्सव का मुख्य आकर्षण मातारानी परिवार गोंदिया एवं श्री सिंधी शंकर चौक गणेश उत्सव

मंडल द्वारा तैयार किया गया विशाल मंच रहा। मंच पर जलसा म्यूजिकल पार्टी एवं गुलशन आर्ट्स द्वारा भक्ति संगीत और सिंधी-हिंदी गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दी गईं। भक्तिमय वातावरण में श्रद्धालु भजनों और गीतों पर झूमते रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र के सांसद राजेन्द्र जैन एवं विधायक विनोद अग्रवाल सहित पार्षद रिंकू असवानी, लक्ष्मण तोलानी, सोनू नागदेव, गोपाल धीरवानी, प्रकाश गोलांनी, हरगुण गुरनानी एवं नेबंद जसूजा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे और माता जी का आशीर्वाद प्राप्त किया।

शोभायात्रा से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ..

अवतरण दिवस समारोह की शुरुआत भव्य शोभायात्रा से हुई। शोभायात्रा भवानी चौक से होते हुए सिंधी कॉलोनी शंकर चौक पहुंची, जहां श्रद्धालुओं द्वारा माता जी का स्वागत किया गया। जगह-जगह पुष्पवर्षा एवं आतिशबाजी की गई। शोभायात्रा में हनुमान् जी एवं वानर सेना की झांकी सहित अन्य आकर्षणों ने बच्चों और श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। शोभायात्रा के मंच पर पहुंचने के बाद विधि-विधान से माता रानी की अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। माता जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर आरती की गई। इसके पश्चात जलसा म्यूजिकल के सुनील मनुजा एवं गायक गुलशन खत्री ने भक्ति भजनों की प्रस्तुति



से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद एक से बढ़कर एक सिंधी एवं हिंदी गीत प्रस्तुत किए गए, जिन्हें सुनकर श्रद्धालु भक्ति में सराबोर होकर झूम उठे। कार्यक्रम के अंत में रात्रि 10 बजे माता जी ने केक काटकर भक्तजनों के साथ अपना अवतरण दिवस मनाया। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और कहा कि उन्हें अपने जन्मोत्सव पर भक्तों से एक विशेष उपहार चाहिए। माता जी ने कहा कि उन्हें न धन चाहिए, न दौलत और न ही कोई उपहार। यदि भक्त उन्हें कुछ देना चाहते हैं तो उनका प्रेम और आशीर्वाद दें, ताकि वे जीवनभर मां संतोषी एवं मां वैभव लक्ष्मी की आराधना और सेवा करती रहें। उन्होंने कहा कि भक्तों का प्यार और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी शक्ति, ताकत, पूंजी और दौलत है। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया तथा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

छत्तीसगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालु..

माता जी के अवतरण दिवस में शामिल होने के लिए गोंदिया के अलावा छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों तथा आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। कार्यक्रम का सोशल मीडिया के माध्यम से लाइव प्रसारण भी किया गया, जिसे हजारों लोगों ने घर बैठे देखा और माता जी के जन्मोत्सव का आनंद लिया। आयोजन को सफल बनाने में मां संतोषी मां वैभव लक्ष्मी धाम मांढर,

गोंदिया, रायपुर, बिलासपुर एवं चक्रभठा के सेवादारों का विशेष सहयोग रहा।

आयोजन में मातारानी परिवार के विनोद तोलानी, राजू शिवलानी, विनु डोड़ानी, विक्की बजाज, मनु चंदानी, देवेश चंदानी, विजय नोतानी, मनीष वाधवानी, हनी अनदानी, यश माधवानी तथा श्री सिंधी शंकर चौक गणेश उत्सव मंडल के नवीन माधवानी, गोल्डू मनुजा, गोल्डू होतचंदानी, संजय हरचंदानी, बाबा नोतानी, नीतू चंदवानी, निखिल ककवानी, पंकज मनुजा, हनी उधवानी एवं जयेश वाधवानी सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का सहयोग रहा।

इस अवसर पर पूज्य माता जी के पिता भरत लाल जयसिंग सहित प्रेम बिरनानी, मोहन लाल आहूजा, सुनील डोडवानी, राकेश कृष्णानी, अमन तलरजा, संतोष भारवानी, राजू कारडा, हरेश बजाज, नंद कुमार जयसिंह, रवि आहूजा, अमित आहूजा, विजय रहेजा, प्रेम रामचंदानी, विनय चैनानी, रतन जयसिंग, बिट्टू पंजवानी, राहुल प्रितवानी, राहुल सुंदरानी, भरत केशवानी, नंदलाल पोपटानी, अशोक चावला, हेमंत जीवनानी, रोहित जीवनानी, राजकुमार पाहूजा एवं कमल मतलानी सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे। गोंदिया शहर में पूज्य माता जी का 38वां अवतरण दिवस मनाया जाना शहरवासियों के लिए श्रद्धा और सौभाग्य का अवसर रहा। पूरे आयोजन के दौरान मांढर वाली माता तेरी सदा ही जय+ के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।